www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
पत्र नहीं; मित्र
RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक – 89 । नर्मदापुरम, गुरुवार 26 जून 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

शराब दुकान गांव से बाहर करने ग्रामीणों ने किया पुराने हाइवे पर चक्काजाम, थम गए वाहनों के पहिए — पृष्ठ 2
फिर साबित हुआ कि कायर छिपकर वार करते हैं
अमीरी बढ़ रही है और गरीबी भी — पृष्ठ 4
सिरोंज-लटेरी के समग्र विकास को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ विधायक ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात — पृष्ठ 5
आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी — पृष्ठ 8

सार-समाचार

मजीठिया गिरफ्तार, 540 करोड़ से अधिक अवैध संपत्ति का खुलासा

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने बुधवार को एक ड्रग तस्करी से जुड़े एक मामले में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता और पूर्व मंत्री विक्रम सिंह मजीठिया के अमृतसर तथा चंडीगढ़ आवासों सहित बाहर जगहों पर छापेमारी की एवं इसी बीच ब्यूरो की टीम ने श्री मजीठिया को यहां स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्टों के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) लखबीर सिंह सहित लगभग 10 से 15 अधिकारी ऑपरेशन के हिस्से के रूप में ग्रीन एवेन्यू क्षेत्र में श्री मजीठिया के घर पहुंचे। पंजाब राज्य अपराध पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) और विजिलेंस ब्यूरो की जांच में श्री मजीठिया द्वारा ड्रग मनी के बड़े पैमाने पर धन शोधन का खुलासा हुआ है।

विधानसभा उपचुनावों में आयोग का ईसीआईनेट चालू

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों में अपने नए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का परिचालन सफलता पूर्वक शुरू कर दिया है और यह आने वाले दिनों में पूरी तरह चालू होगा। यह जानकारी आयोग की बुधवार को एक विज्ञप्ति में दी गयी। आयोग ने इस साल चार मई को ईसीआईनेट नामक से एक नए वन–स्टॉप प्लेटफॉर्म के विकास की घोषणा की थी, जिसमें विभिन्न हितधारकों के लिए आयोग द्वारा परिचालित 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन एकीकृत किए गए हैं।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले 4 हजार से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी आने के साथ बुधवार को इनकी संख्या घटकर चार हजार से नीचे 3797 रह गयी और इस वायरस के संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 127 पर स्थिर है। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 698 मरीज स्वस्थ्य होने के साथ इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या 22333 पहुंच गयी। इस वायरस के संक्रमण से पिछले 24 घंटों के दौरान किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों का आंकड़ा 127 पर स्थिर रहा।

उप्र सरकार को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने जमानत आदेश के बावजूद 28 दिनों तक एक व्यक्ति को जेल में रखने को स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को उसे(व्यक्ति को) पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ बुधवार को बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह बात सामने आई थी कि गाजियाबाद जेल प्रशासन 29 अप्रैल को पारित शीर्ष अदालत के आदेश और 27 मई के औपचारिक रिहाई आदेश के बावजूद आरोपी को रिहा करने में पूरी तरह से विफल रहा है।

मणिपुर में हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ग्रेटर इंफाल क्षेत्र में गुप्त रूप से काम कर रहे हथियार तस्करों और डीलरों के एक अंतर–राज्यीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अन्य अभियान में एक उग्रवादी संगठन के कमांडर को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कुल नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। बिष्णुपुर जिला कमांडो इकाई ने एक उग्रवादी संगठन के स्वयंभू कमांडर को हथियार और गोला–बारूद के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि अवैध हथियार व्यापार के सिलसिले में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

स्मिथ एंड वेसन (दो), सिग सॉयर, ग्लॉक 19, जेडी टॉरस 7.65 मिमी, फाल्कन कैल 7.62 मिमी, एम–20 फाल्कन, केल्टेक .32 मिमी, बेरेटा और ग्लॉक .32 सहित नौ पिस्तौलें बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि वे कथित तौर पर राज्य की सीमाओं के पार अनाधिकृत हथियारों के परिवहन में संलिप्त थे। एक अलग घटना में एक उग्रवादी समूह के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को इंफाल पश्चिम के बाबूपारा से गिरफ्तार किया गया, जो ठेके हासिल करने के लिए सरकारी कर्मचारियों से पैसे ऐंठने में शामिल थे।

आसमानी कामयाबी की ओर बढ़ा मिशन 'एक्सिओम-4'

भारत की नई उड़ान : अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अंतरिक्ष की ओर नई उड़ान भरी है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम–4 मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए हैं। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर में कॉम्प्लेक्स 39ए से एक्सिओम–4 मिशन को लॉन्च किया गया।

शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री एक्सिओम स्पेस के एक मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर निकले हैं। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा- व्हाट ए राइड। मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता–पिता आशा शुक्ला और

शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई। मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12:00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फाल्कन–9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 04:30 बजे आईएसएस से जुड़ेगा।

भारतीय छात्रों से लाईव बातचीत करेंगे शुभांशु

शुभांशु आईएसएस से भारतीय छात्रों के साथ लाइव बातचीत करेंगे ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में उनकी रुचि बढ़े। वह अपनी यात्रा की तस्वीरें और वीडियो भी साझा करेंगे, जो 1.4 अरब भारतीयों के लिए प्रेरणा होगी।

'गाजर का हलवा, आम का रस लेकर गए

शुभांशु शुक्ला अपने साथ गाजर का हलवा, मूंग दाल हलवा और आम का रस लेकर गए हैं, ताकि अंतरिक्ष में घर के खाने की क्रेविंग को शांत कर सकें और अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इसे बांट सकें। शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं और वह आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। उन्होंने बुधवार को एक्सिओम–4 मिशन के रवाना होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अंतरिक्ष में खाने की बहुत सारी चीजें होंगी, लेकिन मैं अपने साथ आम का रस, गाजर का हलवा और मूंग दाल हलवा ले जा रहा हूं, ताकि इसे आईएसएस पर साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ बांट सकूं। शुक्ला अपने मेंटर राकेश शर्मा के लिए एक गुप्त स्मृति चिन्ह भी ले जा रहे हैं, जो उनके मिशन की तैयारी में मार्गदर्शन करने वाले व्यक्ति के प्रति आभार व्यक्त करता है। उनके अनुसार, यह मेरी यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। लखनऊ में ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

ऑपरेशन 'मिडनाइट हैमर' पर बोला ईरान

अमेरिकी हमलों में परमाणु केंद्रों को बड़ा नुकसान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ 22 अप्रैल को सबसे बड़ा सैन्य ऑपरेशन किया था। राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन 'मिडनाइट हैमर' के तहत ईरान के परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया था। हमले में ईरान को भारी नुकसान हुआ था। अमेरिकी हमले में हुए नुकसान की अब ईरान ने पुष्टि की है। ईरान का कहना है कि अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु प्रतिष्ठानों को 'बुरी तरह से नुकसान' पहुंचा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बाघेई ने बुधवार को बताया कि, 22 अप्रैल को हुए अमेरिकी हमलों में देश के परमाणु प्रतिष्ठानों को 'बुरी तरह से नुकसान' पहुंचा है। नुकसान के बारे में बाघई ने विस्तार से बताने से इनकार कर दिया, लेकिन स्वीकार किया कि रविवार को अमेरिकी बी–2 बमवर्षकों द्वारा बंकर–बस्टर बमों का उपयोग करके किए गए हमले बहुत तीव्र थे। उन्होंने कहा, हमारे परमाणु प्रतिष्ठानों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने इन हमलों में खास तरह के बंकर बस्टर बम का इस्तेमाल किया, जो जमीन के नीचे बने कड़े और सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं।

पुणे मेट्रो रेल परियोजना चरण-2 को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी) को मंजूरी दे दी है। यह चरण–1 के तहत मौजूदा वनाज–रामवाड़ी कॉरिडोर का विस्तार है। यह रणनीतिक विस्तार पुणे की आर्थिक क्षमता को उजागर करेगा और अर्बन ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाएगा। साथ ही महानगरीय क्षेत्र में सस्टेनेबल और इंक्लूसिव डेवलपमेंट में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मकान की छत ढलाई के बाद हुआ हादसा

करंट लगने से 3 मजदूरों की मौत

सिलवानी/ रायसेन, देशबन्धु। सिलवानी ब्लॉक अंतर्गत बम्होरी थाना क्षेत्र के गांव पड़रिया कला में करंट लगने से 3 मजदूरों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 4 गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल सिलवानी में भर्ती कराया गया है। हादसा उस समय हुआ जब मकान पर लेंटर डालने के बाद लिफ्ट को हटाया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार ग्राम पड़रिया कला में जमनाप्रसाद कहार के पक्के घर में छत डालने का काम चल रहा था, काम खत्म होने के बाद गारे को छत तक पहुंचाने वाली लिफ्ट को निकाला जा रहा था, मजदूर मशीन को छत से दूर करने के लिए धक्का लगा रहे थे कि उसकी समय बिजली की लाइन से मशीन का ऊपरी हिस्सा छू गया, जिससे कि यह भीषण हादसा हुआ। इस घटना में मृतकों में आजाद ठाकुर पिता ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

महू के पास निर्माणाधीन सुरंग ढही, 2 की जान गई

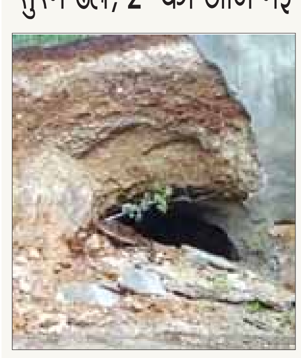

इंदौर, देशबन्धु। महू के पास इंदौर–इच्छापुर फोरलेन पर निर्माणाधीन चोरल सुरंग का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया। आज तड़के हुए इस हादसे में दबकर 2 मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारी प्राथमिक तौर पर इसकी वजह बारिश को बता रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस समय टनल के एक छोर पर देर रात से मजदूर काम में जुटे थे। अचानक टनल के एक्जिट गेट पर करीब 18 मीटर ऊंचा और 16 मीटर चौड़ा हिस्सा ढह गया। मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए तुरंत रेस्क्यू शुरू किया गया। इस हादसे में झारखंड के गिरिडीह जिले के झोंका वर्मासिया निवासी विकास राय (29) की ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

बिजली गिरने से 16 बकरियों की मौत, 4 झुलसी

पलेरा/ दिगौड़ा/ टीकमगढ़, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के मडाहार लारौन में आज दोपहर खेत में चरने गई 16 बकरियों की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई, जबकि 4 बकरियां बुरी तरह झुलस गईं। घटना के करीब डेढ़ दर्जन बकरिया खेत में घास चरने के लिए गई हुई थीं। पशुपालक प्रेमनारायण कुशवाहा ने बताया कि बताया कि घटना दोपहर करीब 3 बजे की है। ग्रामीणों ने ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर किया एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ, बोले-

रेल यात्रियों को मिल रहीं विश्व स्तरीय सुविधाएं

- भोपाल में अक्टूबर में शुरु होगी मेट्रो ट्रेन
- रायसेन के उमरिया गांव में बनेगा रेल कोच निर्माण कारखाना

भोपाल, देशबन्धु। पिछले 11 साल में ट्रेनों के समय पर चलने, रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं, रेल मार्ग और ट्रेनों के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में आया सकारात्मक बदलाव क्रांति के समान है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देशवासियों को विश्व स्तरीय रेल सुविधा उपलब्ध हुई हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल को विश्वस्तरीय रानी कमलापति स्टेशन की सौगात मिल चुकी है। रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 84 करोड़ की लागत से बीते दिनों नर्मदापुरम, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम और ओरछा सहित प्रदेश के 6 स्टेशनों को आधुनिक बनाने का कार्य किया है।

50 रुपए में एसी हॉल के साथ मिलेगी चाय-कॉफी, 200 में मिलेगा खाना

नए लाउंज में 50 रुपए में एसी हॉल, चाय–कॉफी, वाईफाई, टीवी और म्यूजिक सिस्टम का आनंद उठाने की सुविधा मिलेगी। साथ ही आपको भूख लगी है तो 2 सौ रुपए में अनलिमिटेड खाना भी मिलेगा। यह सुविधा आइआरसीटीसी और स्तुति इंटरप्राइजेस की साझेदारी में शुरू की गई है, जो खासतौर पर सामान्य यात्रियों की सुविधा और आराम को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। सिर्फ इतना ही नहीं लाउंज में इंडोर गेम्स की भी व्यवस्था है। लाउंज में लूडो, कैरम और सांप–सीढ़ी जैसे इंडोर गेम्स की व्यवस्था है।

देश में बुलेट ट्रेन, सेमी हाईस्पीड ट्रेन और मेट्रो ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश में इंदौर में सबसे पहले मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है। अब भोपाल में भी अक्टूबर से मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ होगा। प्रदेश में रेलवे एक लाख करोड़ रुपए की योजनाओं का संचालन कर रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि रायसेन जिले के उमरिया गांव में आगामी 2 माह में रेल कोच बनाने के कारखाने का भूमि पूजन होने वाला है, यह कारखाना बीएचईएल के बराबर होगा। दिल्ली–नागदा–रतलाम का 4 ट्रैक का होना रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकास का परिचायक है। ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

सीबीएसई ने मानदंडों को दी मंजूरी

साल में 2 बार होगी सीबीएसई 10वीं की परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने दी है। सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करेगा। पहला चरण फरवरी में आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण मई में होगा।

2026 से शुरआत, पहला चरण फरवरी में

कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है। सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की अनुमति होगी। स्वीकृत मानदंडों के अनुसार, शीतकालीन सत्र में भाग लेने ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

कांग्रेस अध्यक्ष का मोदी सरकार पर तीखा हमला

देश में 11 वर्षों से अघोषित आपातकाल

अपनी असफलता छिपाने के लिए भाजपा आपातकाल पर ड्रामा कर रही

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आरोप लगाया कि देश में अघोषित आपातकाल लागू है। उन्होंने भाजपा सरकार पर अपनी प्रशासनिक विफलता को छिपाने के लिए संविधान हत्या दिवस का नाटक करने का आरोप लगाया। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटाक्ष पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि जिस सरकार में सहनशीलता नहीं है और जो भाईचारे और आजादी को पनपने नहीं देती, उसे दूसरों को उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि आर्थिक असमानताएं इतनी बढ़ गई हैं कि उन्हें पाटा नहीं जा सकता। देश में अघोषित आपातकाल है। उन्होंने मणिपुर के हालात से निपटने के तरीके को लेकर भी सरकार की आलोचना की। इससे पहले, मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में भारतीय लोकतंत्र पर व्यवस्थित और खतरनाक तरीके से

पांच गुना ज्यादा हमला हुआ है, जिसे अघोषित आपातकाल कहा जा सकता है। आपातकाल को लेकर सरकार के हमलों का जवाब देते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार संसद को कमजोर कर रही है और संवैधानिक निकायों की स्वायत्तता को खत्म कर रही है। कांग्रेस के इंदिरा भवन में एक आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में खरगे ने भाजपा–आरएसएस की आलोचना की और कहा कि जिन लोगों ने देश की आजादी, संविधान निर्माण में कोई भूमिका नहीं निभाई और बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को खारिज कर दिया, वे आपातकाल लागू होने के 50 साल बाद आपातकाल का मुद्दा उठा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए खरगे ने कहा कि उनके और उनके शासन के कारण संविधान खतरे में है। कांग्रेस प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार में अभिव्यक्ति की कोई आजादी नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले-

लोकतंत्र का काला अध्याय है आपातकाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में इमरजेंसी के आज 50 साल पूरे हो गए हैं। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान संघर्ष करने वालों को सलाम किया और कहा कि आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज भारत के लोकतंत्र के सबसे अंधेरे अध्याय, आपातकाल की घोषणा के 50 साल पूरे हुए हैं। इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस दिन भारतीय संविधान के मूल्यों को कुचला गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए, प्रेस की आजादी खत्म कर दी गई और कई राजनीतिक नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र और आम नागरिक जेल में डाल दिए गए। ऐसा लगा मानो तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को ही कैद कर लिया था।

नाला मोहल्ला के तीन वार्डों में नालियों पर अतिक्रमण ने रोका पानी का रास्ता

मुख्य मार्गों नालियों पर अतिक्रमण की समस्या सामने आयी

सीएमओ ने कहा कि तकनीकि टीम भेजकर समस्या का निदान करायेंगी

इटारसी, देशबन्धु। नाला मोहल्ला के वार्ड 24,25 और 26 में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा ने आज निरीक्षण का सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उनको जलभराव की समस्या नागरिकों ने बतायी तो उन्होंने वार्ड के निरीक्षण में पाया कि अनेक लोगों ने अपनी दुकानों के सामने नालियों पर पक्का अतिक्रमण करके जल निकासी का रास्ता अवरूद्ध करके रखा है। सीएमओ ने सभी को स्वयं ही अतिक्रमण हटाने की समझाईश दी, साथ ही कहा कि यदि उन्होंने नहीं हटाया तो नगर पालिका हटा देगी।

सीएमओ ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। तीनों वार्ड के मुख्य मार्गों नालियों पर अतिक्रमण की समस्या सामने आयी। यहां दुकानदारों ने पक्का निर्माण कर रखा है। वार्ड 25 में बेक वाटर का निकास नहीं हो पाता है, बल्कि सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। यहां नालियों में पर्याप्त ढाल नहीं होने की समस्या थी। सीएमओ ने कहा कि तकनीकि टीम भेजकर समस्या का निदान करायेंगी। वार्ड 26 में भी नालियों में गंदगी

की समस्या थी, सीएमओ ने यहां के सफाई कर्मचारियों से नाराजी व्यक्त करते हुए सही तरीके से सफाई करने के निर्देश दिये। सीएमओ ने तीनों वार्ड में वार्डवासियों से संवाद किया और सफाई व्यवस्था में सहयोग करने, कचरा वाहनों में कचरा देने, सड़क, खाली प्लाट पर गंदगी न फैकने जैसी बातें कहीं और सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के लिए नागरिकों की राय भी जानी। इस दौरान सीएमओ के साथ पार्षद नाजिया बेग, शुभम गौर और कुंदन गौर, स्वच्छता विभाग से कमल बड़गोती, तीनों वार्ड के मुकद्दम मौजूद थे।

ग्राम पथरोटा का मामला: सुबह से लोग जमा होने लगे थे

शराब दुकान गांव से बाहर करने ग्रामीणों ने किया पुराने हाइवे पर चक्काजाम, थम गए वाहनों के पहिए

इटारसी, देशबन्धु। समीपस्थ ग्राम पथरोटा के ग्रामीणों ने आज गांव से शराब दुकान हटाने को लेकर अपनी पूर्व घोषणा अनुसार चक्काजाम किया। सुबह हुए इस चक्काजाम की खबर मिलने के बाद नायब तहसीलदार हीरू कुमरे, पथरोटा थाना प्रभारी संजीव पवार और आबकारी उपनिरीक्षक राजेश साहू मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारी ग्रामीणों से चर्चा कर आश्वासन दिया कि दुकान हटा दी जाएगी। अधिकारियों के दुकान का स्थान परिवर्तन करने के आश्वासन के बाद चक्काजाम स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन देकर दो दिन में दुकान हटाने को कहा था, अन्यथा चक्काजाम की चेतावनी दी थी। इसी के तहत आज चक्काजाम किया। ग्रामीण दुकान के सामने कुर्सियां लगाकर बैठ गये और दुकान हटाने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का आरोप है कि देसी-विदेशी शराब की दुकान के पास एक अतिरिक्त दुकान में लोग शराब खरीदने के बाद बैठकर शराब पीते हैं। ये शराबी मंदिर जाने वाली महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं।

21 जून को जब ग्रामीणों ने यह मुद्दा राजेश दुबे के सामने उठाया तो उसने ग्रामीणों से गाली-गलौज की और ग्रामीणों के खिलाफ थाने में झूठी शिकायत दर्ज कराई है। वह उन्हें धमकी दे रहा है। ग्रामीणों ने अधिकारियों को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा है।

वाहनों में क्षमता से अधिक बैठाते हैं बच्चे, प्रशासन और स्कूल प्रबंधनों की आंखें बंद

फर्राटा भरते स्कूल वाहन, बच्चों की जान जोखिम में

पिपरिया, देशबन्धु। घर से स्कूल और स्कूल से घर तक का सफर बच्चे जान जोखिम में डालकर कर रहे हैं। ऑटो, मैजिक जैसे स्कूली वाहनों के चालक क्षमता से अधिक बच्चों को अपने वाहनों में बैठा रहे हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर फर्राटा भरते ये वाहन बिना सुरक्षा इंतजाम के संचालित हैं।

शहर के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले कई बच्चे ऑटो और मैजिक जैसे वाहनों का उपयोग स्कूल आने-जाने के लिए कर रहे हैं। इन वाहनों के चालक यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए क्षमता से अधिक बच्चों को ढो रहे हैं। एक ऑटो वाहन में 5 से 6 लोगों के बैठने की जगह होती है। लेकिन, स्कूली ऑटो चालक 15 से 18 बच्चों को बैठाते हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर इन ऑटो चालकों की रफ्तार और एक- दूसरे से आगे निकलने की होड़ कभी किसी अप्रिय घटना को जन्म दे सकती है। ये सारा नजारा इन दिनों शहर की व्यस्ततम

पचमढ़ी रोड पर देखने को मिल रहा है। स्कूल खुल गए लेकिन प्रशासन , पुलिस, शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन इन स्कूल वाहन चालकों को नियम का पाठ नहीं पड़ा पाए हैं।

अधिक कमाई का लालच:- ऑटो चालक अधिक कमाई के चक्कर मे 15-18 बच्चों को वाहन में बैठा रहे हैं। प्रति बच्चे के हिसाब से 1200 से 1500 रुपए वसूल रहे हैं।

इसके अलावा बांकी के समय में सवारी ढोने के चक्कर में सड़कों पर फर्राटा मारते हुए बच्चों की जान जोखिम में डालते हैं।

इनका कहना है

स्कूल वाहन चालकों की एक बैठक बुलाई जाएगी। उन्हें यातायात नियमों में रहकर ऑटो संचालित करने की हिदायत देंगे।

मोहित कुमार यादव
एसडीओपी, पिपरिया

सुरक्षित नहीं बच्चे:- तीन पहियों वाले इन ऑटो में बीच में, पीछे की तरफ के अलावा चालक अपनी सीट पर अपने दोनों ओर भी बच्चों को बैठा लेते हैं। साथ ही ऑटो में सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में लगा प्रवेश जागरूकता मेला

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कलेक्टर के निर्देश अनुसार प्रवेश जागरूकता अभियान के तहत प्रवेश मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदा पुरम एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विकास विभाग ने 10 वीं और 12 वीं के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रवेश मेले में स्कूलों के प्राचार्य द्वारा निर्देशित किया। प्रवेश मेले में सुश्री संपदा गुर्जर संयुक्त कलेक्टर ने तकनीकी शिक्षा में जिले में स्थित संस्थाओं में प्रवेश लेने के लिए योग्यता, पात्रता, पाठ्यक्रम संचालित एवं छात्रवृत्ति संबंधी जानकारी प्रस्तुत करते हुए छात्राओं को पॉलिटेक्निक में प्रवेश हेतु प्रेरित किया। शिक्षा विभाग से श्री पटवा ने तकनीकी शिक्षा के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई सेवानिवृत्त प्राचार्य आरएस लौवंशी ने विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी

जागरूकता, संस्थाओं को खोलने, ब्रांच लाने संबंधी, स्वीकृत पद लाने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने हेतु किए संघर्ष की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

प्राचार्य पॉलिटेक्निक कॉलेज इटारसी आरके चोलकर एवं लोकेंद्र सिंह बनाफर ने तकनीकी शिक्षा का भविष्य में स्कोप, अनुप्रयोग एवं आवश्यकता के संबंध में अवगत कराया। इसी प्रकार प्राचार्य डॉ प्रेमचंद नरवरे एवं आर चंद्राकर ने तकनीकी ब्रांच की आवश्यकता, रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए लाभ संबंधी जानकारी प्रस्तुत की। देवेश तिवारी ने कंप्यूटर ब्रांच के महत्व को उदाहरण सहित समझाया। संचालन डॉ हेमलता दांगी एवं मोनिका खत्रीय ने किया। प्रवेश मेले सभी स्टाफ सदस्य एवं 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यादान बैंक: जहां मिलेगा पेंसिल से लेकर बुक्स, पेन, इरेजर, शार्पनर सब कुछ

इटारसी, देशबन्धु। खाटू श्याम रसोई शहरी आजीविका केंद्र, इटारसी में 'विद्या दान बैंक' नामक नेक पहल 28 जून से शुरू हो रही है। संस्था के मनीष ठाकुर ने बताया कि हमारा लक्ष्य इटारसी के उन गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है, जिनके लिए पुरानी किताबें और स्टेशनरी खरीदना मुश्किल होता है। उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा किताबों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे।आमजन से उन्होंने अपेक्षा की है कि अपने घर में रखी पुरानी, अच्छी स्थिति वाली किताबें और स्टेशनरी दान करके आप अनगिनत बच्चों के भविष्य को रोशन कर सकते हैं। विद्यादान बैंक में पाठ्यपुस्तकें कक्षा 1 से 12 तक सभी विषयों की, ऐसी कॉपियां जिनमें काफी खाली पन्ने बचे हों या बिल्कुल नई हों। पेंसिल, पेन, इरेजर, शार्पनर, स्केल, कलर पेंसिल आदि जो अच्छी स्थिति में हों तथा बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए कहानी की किताबें भी दान की जा सकती हैं।

फुटबॉल : नीमच सेमीफाइनल में, नर्मदापुरम ने भोपाल को हराया

इटारसी, देशबन्धु। श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया खेल प्रशाल खेड़ा में जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में आज दो मैच खेले गये।

इन मैचों में नीमच और नर्मदापुरम ने जीत हासिल की। नीमच ने धार और नर्मदापुरम ने भोपाल को शिकस्त दी। जिला फुटबाल संघ के सचिव दीपक परदेशी ने बताया कि डीएफए धार एवं डीएफए नीमच के मध्य मैच में नीमच ने अपने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए 7 गोल से विजय प्राप्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। धार की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई। आज का दूसरा मैच नर्मदापुरम एवं भोपाल के मध्य खेला गया। यह मैच बहुत संघर्षपूर्ण रहा। इस मैच में नर्मदापुरम ने प्रथम हाफ में एक गोल मार कर बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाथ में एक और गोल मारकर 2-0 से जीत हासिल की।

आज के मुख्य अतिथि डॉ. चेतन गोठी, लखन राठौर, तरुण सोलंकी, सलाम खान तथा वरिष्ठ समाजसेवी महेश थे।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के लिए अतिथियों को मैदान पर जीतेंद्र रैकवार प्रदीप प्रजापति, रविंद्र चौधरी, अरविंद ठाकुर, चिन्ना राव, कुमारी विधि राजपूत, मोहम्मद बिलाल थे। प्रतियोगिता का कल के दिन रेस्ट रहेगा। 27 जून 2025 दिन शुक्रवार को सेमीफाइनल के दो मैच खेले जाएंगे।

'सितारे देश के' संगीत प्रतियोगिता में वंदना को मिला द्वितीय स्थान

इटारसी, देशबन्धु। कालीदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के सभागार में हुई नेशनल लेबल की संगीत प्रतियोगिता में शामिल करीब आधा सैंकड़ा प्रतिभागियों में से सीनियर ग्रुप में इटारसी की वंदना चौरे ने द्वितीय स्थान हासिल किया। उनको नगद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

दिशा संगीत सेवा समिति भोपाल द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में भोपाल, नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, बीना, गंजबासोदा, सीहोर सहित आसपास के कई शहरों के प्रतिभागी तथा हरियाणा के कुरुक्षेत्र से भी प्रतिभागी शामिल हुए थे।

ग्राम धाईंखुर्द में धरती आबा अभियान के अंतर्गत लगा शिविर

इटारसी, देशबन्धु। केसला विकासखंड के ग्राम धाईंखुर्द में आज धरती आबा अभियान के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया। शिविर में पंचायत विभाग के अलावा स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित हुए। शिविर में सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गामीणों को धरती आबा अभियान के तहत चलायी जा रही शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं के पांच आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में डॉ. दीपमाला रावत भोपाल से पहुंची और उपस्थित लोगों को अभियान के तहत जनजातीय समुदाय के लिए शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा जागरुक होकर शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त नागवंशी, हर्षित कौरव एवं द्विवेदी उपस्थित हुए।

ग्राम रोजगार सहायक संघ में नियुक्ति: अध्यक्ष रामस्वरूप कहार, उपाध्यक्ष बने कोमल सराठे

लंबे समय से की जा रही संगठनात्मक ढांचे की मांग

सोहागपुर, देशबन्धु। सुहागपुर जनपद पंचायत अंतर्गत कार्यरत ग्राम रोजगार सहायकों का संघ गठन एवं चुनाव प्रक्रिया हाल ही में पूर्ण हुई, जिसमें नगतरा खापा ग्राम पंचायत के ग्राम रोजगार सहायक रामस्वरूप कहार को सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। वहीं, ग्राम पंचायत अजबगांव की कोमल सराठे को उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। इस दौरान संघ की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया, जिसमें समस्त पंचायतों के प्रतिनिधि ग्राम रोजगार सहायकों ने भाग लिया। ग्राम रोजगार सहायकों ने बताया कि वे लंबे समय से संगठनात्मक ढांचे की मांग कर रहे थे ताकि उनके हितों की रक्षा एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वय बेहतर हो सके। संघ के गठन से अब प्रशासन एवं शासन से संवाद मजबूत होगा।

मंत्री प्रहलाद पटेल का बड़ा फैसला: 'मार्गदर्शिका 2025' लागू

इसी बीच प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा ग्राम रोजगार सहायकों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। उन्होंने ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका-2025 को औपचारिक रूप से लागू करने की घोषणा की, जिसे ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं दक्षता को बढ़ावा देने वाला कदम बताया जा रहा है।

इस्कान ने भक्तों को भगवान का रथ खींचने आमंत्रित किया, बड़े पैमाने पर तैयारी

इस्कान नर्मदापुरम, इटारसी और बुदनी में निकालेगा भगवान जगन्नाथ जी की ऐतिहासिक भव्य रथयात्रा

इटारसी, देशबन्धु। इस्कान नर्मदापुरम द्वारा 1 जुलाई को नर्मदापुरम 3 जुलाई को इटारसी और 6 जुलाई को बुदनी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। इस्कान ने भक्तों को भगवान का रथ खींचने आमंत्रित किया है। नर्मदापुरम में रथ यात्रा दोपहर 3:15 बजे राम मंदिर हाउसिंग बोर्ड कालोनी से, बुदनी में बुदनीघाट तिराहा नर्मदा द्वार से दोपहर 3 बजे प्रारंभ होकर स्टेशन रोड तिराहा पर संपन्न होगी। 1 जुलाई को रथयात्रा राममंदिर हाउसिंग बोर्ड कालोनी से आईटीआई तिराह, मीनाक्षी चौक, आनंद नगर, बस स्टैंड, सतरस्ता, इंदिरा चौक, गांधी चौक, नेहरु पार्क, बीएसएनएल आफिस, पीपल चौक होकर कोठी बाजार में समापन होगा। इटारसी में रथयात्रा 3 जुलाई को श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर तुलसी चौक से दोपहर में प्रारंभ होगी।

ऐसा रहेगा रथयात्रा कार्यक्रम:- रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व दोपहर 2:30 बजे भोग अर्पण होगा, 2:45 बजे भगवान की महाआरती होगी तथा 3:15 बजे रथयात्रा प्रारंभ की जाएगी। संपूर्ण रथयात्रा के दौरान भक्तों को महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा।

रथयात्रा का मार्ग यह रहेगा

श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर रथयात्रा जयस्तंभ चौक होते हुए पुराना देना बैंक से दाहिने मुड़कर बस स्टैंड के सामने से रेलवे स्टेशन, चौपाटी, रेस्ट हाउस से ऑडिटोरियम के पास से मेजर ध्यानचंद चौक, अटल पार्क के सामने से कॉन्वेंट स्कूल के सामने होकर नवग्रह दुर्गा मंदिर, चामुंडा चौराह, बीएसएनएल आफिस के सामने से जनता टाकीज रोड, नेहरुगंज तिराहा होकर जयस्तंभ चौक होते हुए वापस श्री द्वारिकाधीश मंदिर में समापन होगा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

नपाध्यक्ष ने किया प्रोफेसर कॉलोनी में सड़क निर्माण का भूमि पूजन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगर के सभी वार्डों में अनवरत विकास के कार्य जारी हैं। बुधवार को वार्ड नंबर 17 में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा आज सड़क निर्माण का भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ कराया गया। उपयंत्री महेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 17 में कायाकल्प अभियान के तहत बनने वाली सड़क का आज नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। सभी यह सड़क मेन रोड से पीलीखंती तक बनेगी। इससे वहां रहने वाले नागरिकों को काफी आसानी होगी। सड़क के भूमि पूजन और कार्य प्रारंभ कराने पर वार्डवासियों ने नपाध्यक्ष श्रीमती यादव का आभार व्यक्त किया।

समेरिटंस का वत्सल राष्ट्रीय ट्रैकिंग कैंप में हुआ शामिल, मिल रही बधाई

नर्मदापुरम,देशबन्धु। 13 मध्य प्रदेश बटालियन से संबंध समेरिटंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल के

होनहार छात्र एनसीसी केडिट्स वत्सल पांडे ने राष्टीय ट्रैकिंग कैंप अमरकंटक में भोपाल ग्रुप का जूनियर डिविजन का प्रतिनिधित्व किया। वत्सल अधिवक्ता तरुण पांडे के सुपुत्र है। वत्सल ने कैंप में खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर सेकंड अफसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रैकिंग कैंप के माध्यम से केडिट्स को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और साहसिक गतिविधियों का अनुभव मिलता है, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमताएं मजबूत होती हैं। इस बर्ष हमारी संस्था के तीन एनसीसी केडिट्स का राष्टीय स्तर के ट्रैकिंग कैंप के लिए सिलेक्शन जिनमें केशव श्रीवास्तव, निहाल अहिरवार और वत्सल पांडे रहे। केडिट्स की इस उपलब्धि पर डायरेक्टर डॉ आशुतोष कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत, सूबेदार रामवतार, एनसीसी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव, कॉर्डिनेटर आर. के. सिंह, उप प्राचार्य राजेंद्र रघुवंशी, स्नेहा उपाध्याय ने खुशी जाहिर कर बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री उईके आज हरदा आएंगे आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

हरदा ,देशबन्धु। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्य मंत्री दुर्गादास उईके 26 जून को हरदा आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उईके गुरूवार को सुबह 11 बजे बैतूल से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12:40 बजे हरदा आएंगे। मंत्री श्री उइके दोपहर 1 बजे जिला पंचायत में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक होगी।

बैंकिंग में भ्रांतियों को लेकर अर्थ सूत्र संवाद का आयोजन आज होगा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। बैंकिंग को लेकर लोगों के बीच कई तरह की भ्रांतियां रहती है जिसके कारण आम लोग बैंक की जगह साहूकार से लोन आदि का विनिमय करते है और इसके कारण आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। लोगों में बैंकिंग को लेकर जागरूक करने रिजर्व बैंक बेकिंग लोकपाल के निर्देशन में वित्तीय साक्षरता अभियान अंतर्गत दिनांक बजाज फाइनेंस लिमिटेड द्वारा आज प्रात: 11 बजे से नमन नर्मदा रिसोर्ट भोपाल तिराहे नर्मदापुरम में अर्थ सूत्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के लीड कार्पोरेट कम्युनिकेशन दीपक साहू ने बताया कि वित्तीय साक्षरता अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य लोगों को वित्तीय ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। जिससे वे अपने वित्तीय निर्णयों की जिम्मेदारी सहजता से ले सके। नर्मदापुरम में होने वाले इस आयोजन में जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश विजय पाठक, जिला पंचायत सीईओ एस एस रावत , एसडीओपी पराग सैनी ,शिक्षाविद डॉ आशीष चटर्जी आदी होंगे।

आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर हुआ सेमिनार, कांग्रेस पर लगाए आरोप

आपातकालः लोकतंत्र को बंधक बनाने और कुचलने का प्रयास किया गया था

हरदा, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में 25 जून 1975 के आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में भोपाल के पूर्व सांसद आलोक संजर उपस्थित रहे ।उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपातकाल को 50 वर्ष पूर्ण होने पर भी उसकी यादें ताजा हैं। एक ऐसा काला दिन जो भारत के इतिहास में हमेशा याद किया जाता है । उस समय हुए दुर्व्यवहार एवं घटनाओं का विस्तृत जिक्र किया किस प्रकार लोकतंत्र की हत्या करते हुए कांग्रेस की दमनकारी नीतियों ने भारत की आत्मा को झकझोर कर रख दिया जिसका दंस कई परिवारों ने वर्षों तक झेला और आज भी उस दिन को भुला नहीं पाते हैं ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री कमल पटेल ने कहा लोकतंत्र पर विश्वास न करने वाली पार्टी कांग्रेस ही लोकतंत्र की दुहाई देकर जनता के मन में भ्रम फैलाने का कार्य करती है चाहे संसद का भवन हो या सड़क लगातार कांग्रेस के द्वारा भारत की आत्मा को दुनिया के सामने दुष्प्रचारित करते हुए संविधान की धज्जियां उड़ाई जाती हैं परंतु मतदाताओं को भ्रमित करने के लिए हमेशा वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर दोषारोपण करती है कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की हत्या कर रही है जबकि आपातकाल कांग्रेस की उस दूषित विचारधारा का जीता जागता उदाहरण है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि पूरे प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश में आपातकाल को याद करते हुए जिला केंद्रों पर प्रदर्शनी लगाकर जनता को जन जागरण करने का कार्य किया जा रहा है जिला कार्यालय के बाहर भी आपातकाल की उन घटनाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया गया है ।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला महामंत्री देवी सिंह सांखला ने किया आभार वरिष्ठ नेता मनसुख लोहाना में व्यक्त किया ।इस अवसर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

‘संविधान हत्या दिवस’ पर नगर में हुए कई कार्यक्रम, रखे विचार

हरदा , देशबन्धु। शासन द्वारा 25 जून को ''संविधान हत्या दिवस'' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया, उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश वर्मा, मरगब हुसैन, चन्द्रगोपाल सोनी, प्रकाश टांक, रज्जाक खान, शांति जैसानी, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मीसाबंदी व उनके परिजनों का शॉल उढ़ाकर व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इस दौरान डाक्युमेंट्री फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत ने बताया कि भारत में 25 जून 1975 को आपात काल की घोषणा के बाद लगभग 21 माह तक भारत में आपातकाल लागू रहा।

कार्यक्रम ने कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते है कि यह देश 2047 तक दुनिया का विकसित देश बने। हमे समझना होगा कि हम संविधान के द्वारा कैसे अपने देश को मजबूत बना सकते है। संविधान हमारे लिये सर्वोच्च है। कार्यक्रम में उपस्थित मीसाबंदियों मरगब हुसैन व चन्द्रगोपाल सोनी ने आपातकाल के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कमेड़िया, शांति जैसानी, प्रकाश टांक, अंशुल गोयल ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

मीसाबंदियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिये अपनी आजादी खोई, तभी आज हमारा लोकतंत्र जीवित और सशक्त है : उईके

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत के इतिहास में आज से पचास वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को देश की तत्कालीन कांग्रेस की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश की लोकतंत्र का जिस तरीके से आधी रात को दमन किया था वह भारत की धरती में अंग्रेजों के देश में 180 वर्ष राज करने के बाद दूसरी बार भारत को गुलामी और दमन की दूसरी तस्वीर के रूप में दर्शाता है। यह बात नर्मदापुरम भाजपा कार्यालय में आज मीसाबंदियों के सम्मान सम्मेलन में केन्द्र सरकार में जनजातीय राज्यमंत्री डी.डी. उईके ने संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए मीसाबंदियों ने जहां अपने परिवार की कुर्बानियों के साथ लोकतंत्र को मजबूत रखा वहीं देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस काले अध्याय को पूरे विश्व सहित देश की तत्कालीन कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल को काले अध्याय के रूप में मनाने का जो संकल्प दिया वह आज देश के हर गांव से देश के हर शहरों व महानगरों में कांग्रेस के दमनरूपी निर्णय को उजागर कर रहा है।' प्रदर्शनी का भी केन्द्रीय मंत्री डीडी उइके ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में संतोष शर्मा ने अपने अनुभव कथन में कहा कि आपातकाल के दौरान मेरी उम्र 14 वर्ष थी, पुलिस आई और हाथ में हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार कर ले गई जेल में मेरे साथ शंभू सोनकिया भी थे। हमारे साथ खूंखार अपराधी जैसा बर्ताव किया गया। कड़ाके की ठण्ड पड़ी और हमारे कपड़े उतरवा दिये गये। हमारे साथ 2 कैदी बंद थे। नवंबर का महिना था। ठण्ड से बचाव के लिये कंबल तक नही दिया। हम लोगों ने भी हार नहीं मानी पूरी रातभर दण्डबैठक और सूर्य नमस्कार करते रहे। हमें अगले 2 दिनों तक खाना नहीं मिला। इसी के साथ दिलीप शर्मा एवं रामआश्रय बाजपेयी, शिव चौबे ने भी अपने अनुभव साझा किये।

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को भाजपा कार्यालय में लोकतंत्र सेनानी संतोष शर्मा, दिलीप शर्मा रामआसरे वाजपेयी शम्भू सोनकिया सुरेश राने अनंतराम साहू वीरेन्द्र द्विवेदी प्रशांत गोलवलकर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर केंद्रित मंत्री डीडी उइके, जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, डॉ सीतासरन शर्मा, माधवदास अग्रवाल, प्रसन्ना हर्णे, मुकेश चंद्र मैना मंचासीन रहे। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष, पूर्व विधायक, पूर्व जिला अध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रकोष्ठ के जिला पदाधिकारी सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। जिला मीडिया प्रभारी अमित माहाला ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री के व्दारा एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण किया गया।

26 को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर होगा जागरूकता कार्यक्रम

नशामुक्त नर्मदापुरम, खुशहाल नर्मदापुरम पर शॉर्ट रील बनाने वाले विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार

नर्मदापुरम, देशबन्धु। 26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर युवा, छात्र-छात्राओं एवं आमजन को मद्यपान, मादक पदार्थों एवं नशीले द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराकर जागरूकता लाने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन 26 जून 2025 को दोपहर 02 बजे से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नर्मदापुरम के ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

शॉर्ट रील प्रतियोगिता भी की जाएगी आयोजित

कार्यक्रम की थीम नशामुक्त नर्मदापुरम, खुशहाल नर्मदापुरम निर्धारित की गई है। इस अवसर पर आमजन से भी रचनात्मक

सहभागिता हेतु शॉर्ट रील प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतिभागी इस थीम पर शॉर्ट रील तैयार कर 25 जून 2025 को शाम 07 बजे तक गूगल फॉर्म लिंक पर अपलोड कर सकते हैं। प्रतियोगिता में चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को कार्यक्रम स्थल पर आमंत्रित कर प्रोत्साहन राशि एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा। नशामुक्त नर्मदापुरम, खुशहाल नर्मदापुरम थीम पर 26 जून को आयोजित होगी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्तियों के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 जून को दोपहर 2:00 बजे से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नर्मदापुरम के ऑडिटोरियम में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर नशामुक्त नर्मदापुरम, खुशहाल नर्मदापुरम विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मान होगा।

40 किग्रा मछली जब्त, एक हजार का किया चालान

सख्त आदेश दिए गए बंद ऋतु में मछली को मारन पर की गई कार्रवाई

नर्मदापुरम, देशबन्धु। बंद ऋतु 16 जून से 15 अगस्त तक मछलियों का प्रजनन काल होता है। इस अवधि में अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं मत्स्य परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

इसी क्रम में मछली पालन विभाग की टीम द्वारा सोहागपुर मछली बाजार का निरीक्षण किया गया। साथ ही विकासखण्ड पिपरिया के शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से रखी गई लगभग 40 किलोग्राम मछली को जप्त किया गया। जप्त मछली की नीलामी कर एक हजार रुपये की राशि शासन के मद में चालान के माध्यम से जमा की गई।

मछली पालन विभाग द्वारा आसपास के सभी मत्स्य विक्रेताओं को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा जारी अधिसूचना की जानकारी दी गई, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि बंद ऋतु में किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि किए जाने पर मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा 5 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने आमजन व मत्स्य व्यापारियों से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें एवं संरक्षण काल में मत्स्य संसाधनों के संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

हरदा, देशबन्धु।, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के निर्देशन में बुधवार को हरदा के वार्ड क्रं 28 के आंगनवाडी केन्द्र क्रं. 58 एवं वार्ड क्रं 27 के आंगनवा?ी केन्द्र क्रं. 55 में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चंद्रशेखर राठौर ने नालसा आपदा पी?ितों को विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से विधिक सेवाएं योजना के उपबंधों, अपराध पी?ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं तथा सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी। उन्होने नालसा गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन योजना 2015 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का मुख्य उददेश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो तक उनके मूल अधिकारों की पंहुच को सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही नालसा द्वारा संचालित ''संवाद'' योजना के तहत अनुसूचित जनजाति एवं आदिवासी समाज के लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी दी तथा नशे से दूर रहने की सलाह दी गई। शिविरों में बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर, 15100 पर कॉल कर विधिक सहायता आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

विकास एवं समन्वय समिति दिशा की बैठक आज

हरदा ,देशबन्धु। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा'' की बैठक 26 जून को केन्द्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद डी.डी. उइके की अध्यक्षता में आयोजित होगी। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने बताया कि यह बैठक 26 जून को जिला पंचायत हरदा के सभाकक्ष में दोपहर 1 बजे से आयोजित होगी। उन्होने समिति से संबंधित विभागों के अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की अद्यतन जानकारी सहित बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। बैठक में रोजगार गारंटी योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण कौशल्या योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना, सांसद आदर्श ग्राम, आरसेटी, राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, ग्राम स्वराज अभियान, स्वच्छ भारत मिशन,पशुधन मिशन, एकीकृत बाल विकास, मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पोषण शक्ति निर्माण योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सहित केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करेंगे।

सड़क किनारे व्यवसाय करने वालों को हटाया, मार्ग अवरूद्ध करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

सीएमओ ने किया जयस्तंभ और रसूलिया क्षेत्र का निरीक्षण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर को व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा है। बुधवार को मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले तथा उपयंत्री दीक्षा तिवारी द्वारा नगर के अनेक क्षेत्रों का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए।

अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि सडक किनारे व्यवसाय करने वाले लोगों को हटाकर उनको निर्धारित स्थान पर पहुंचाया तथा उन्हें हिदायत दी गई कि दोबारा स?क किनारे दुकान लगाकर यातायात अवरूद्ध किया तो सामग्री जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण दल प्रभारी श्री राजपूत ने बताया कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले और उपयंत्री दीक्षा तिवारी द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा उन्होंने जलभराव की समस्या की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने नाले नालियों से अतिक्रमण सख्त निर्देश दिए गए। जिससे बारिश का पानी आसानी से नगर से बाहर निकल जाए।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगर के नागरिकों और व्यापारियों से आग्रह किया है कि वे पन्नी और पालिथिन का उपयोग नगर हित में बंद कर दें। पालिथिन बारिश के पानी के साथ बहकर नाले नालियों में जाती है और जल निकासी अवरूद्ध करती है। साथ ही कचरा भी यहां वहां न फैंकें कचरा वाहन आने पर कचरा उसी में डालें।

प्रवेश मेले में बच्चों की जिज्ञासाओं को किया शांत

127 विद्यार्थियों ने प्रवेश हेतु कराया पंजीयन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आयुक्त तकनीकी शिक्षा एवं कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना के निर्देशानुसार 24 जून को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में तकनीकी शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 10वीं एवं 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रवेश जागरूकता के लिए प्रवेश मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा सराफ प्रवेश मेले में शामिल हुई जिसमें उन्होंने बच्चों को पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश लेकर तकनीकी शिक्षा के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार प्राप्त करने एवं देश में तकनीकी विकास को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में जिला समन्वय अधिकारी श्री पी. के. पटवा द्वारा प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किया। प्रवेश मेले में अधिक संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए जिनमें 127 विद्यार्थियों ने प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन कराया। विद्यार्थियों का रुझान कम्प्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रिकल पाठ्यक्रमों में अधिक देखने को मिला। विद्यार्थियों ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार आयोजित होते रहना चाहिए जिससे विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण के लिए उपयुक्त मार्गदर्शन मिल सकें। महाविद्यालय, के प्राचार्य, डॉ. पी.सी. नरवरे ने जानकारी देते हुए बताया कि डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में संचालित ब्रांच सिविल इंजी., मैकेनिकल इंजी., इलेक्ट्रीकल इंजी., कंप्यूटर साइंस एंड इंजी. एवं मॉडर्न आफिस मैनेजमेंट, में सत्र 2025-2026 में प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसलिंग चरण में ऑनलाइन पंजीयन प्रारम्भ है। च्वाइस फिलिंग के बाद प्रवेश सूची जारी होगी और विद्यार्थी चयनित पॉलिटेक्निक में ब्रांच अनुसार प्रवेश ले सकते है। सभी संचालित ब्रांच में प्रवेश कक्षा-10वीं के आधार पर होगा। प्रवेश बढाने के लिए संस्था की टीम द्वारा नगर एवं आसपास के गांव में संपर्क कर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है। 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का भविष्य तकनीकी शिक्षा में अधिक उज्जवल एवं रोजगार मुखी है। विद्यार्थियों के अंतिम वर्ष आते-आते शत-प्रतिशत प्लेसमेंट मिलने की संभावना होती है। उपरोक्त कार्यक्रम में मंचासीन तकनीकी शिक्षा पूर्व प्राचार्य श्री आर.एस. लौवंशी एवं इटारसी पॉलीटेक्निक प्राचार्य श्री आर.के. चोलकर भी तकनीकी शिक्षा के प्रचार-प्रसार में शामिल हुए।

In The Court Of III Civil Judge, Junior Division, District Court, Betul

Presiding Officer: सुश्री ऋतु प्रजापति

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCS A/0000191/2025)

मुर्तुजा...वादी

Vs

सर्वसाधारण.. प्रतिवादी

Process Id-4620/2025

पेशी दिनांक :- 07.08.2025

प्रेषिती-

(1) सर्वसाधारण भोपाल

यह कि प्रार्थी मुर्तुजा ने आपके विरूद्ध सिविल सूट क्लास ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 20 June 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सील

सुश्री ऋतु प्रजापति
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड बैतूल म.प्र.

कृपया ध्यान दें:-1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

देशबन्धु

नर्मदापुरम, गुरुवार 26 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

चुनाव आयोग पर फिर सवाल

देश में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव करवाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था और इसमें आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान इस तरह से रखा गया था कि उनके लिए बिना किसी दबाव के काम करने का माहौल बने। लेकिन पिछले कुछ बरसों में बार-बार चुनाव आयोग पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे इस स्वतंत्र संवैधानिक संस्था की साख ही नहीं, देश के लोकतंत्र को भी नुकसान हो रहा है। ईवीएम बेशक चुनाव की लंबी और जटिल प्रक्रिया को आसान बनाती है, लेकिन बार-बार दावे किए जाते हैं कि ईवीएम हैक हो सकती है। हालांकि चुनाव आयोग इसे नहीं मानता और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी यही माना है कि अभी ईवीएम का जो इस्तेमाल हो रहा है, वह ठीक है। अब ईवीएम के साथ-साथ मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगने शुरु हो गए हैं। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में कांग्रेस ने आरोप लगाए हैं कि मतदाता सूची में बिना सत्यापन के नाम जोड़े गए हैं और फर्जी मतदान से बीजेपी को जिताया गया है। लेकिन आयोग ने ऐसे आरोपों को खारिज कर दिया। हालांकि प.बंगाल में ममता बनर्जी ने जब इस बात के सबूत दिए कि ईपीआईसी यानि मतदाता पहचान पत्र नंबर एक साथ दो-दो जगहों पर आवंटित हुआ है, जिसमें एक मतदाता प.बंगाल का है और उसके पास जिन अंकों वाला कार्ड है, उन्हीं अंकों वाला कार्ड दूसरे राज्य के मतदाता के पास भी है, तो फिर चुनाव आयोग को सफाई आई कि मतदाता सूची डेटाबेस को ईआरओएनईटी प्लेटफॉर्म में स्थानांतरित करने के कारण ऐसा हुआ होगा। अब उस गड़बड़ी को सुधारते हुए आयोग ने अद्वितीय ईपीआईसी नंबर जारी करने का फैसला लिया। यानी गड़बड़ी हुई है, भले सायास न हो।

अब महाराष्ट्र को लेकर कांग्रेस ने कुछ गंभीर सवाल उठाए थे कि पांच साल में जितने मतदाता नहीं बढ़े, उससे ज्यादा पांच महीने में कैसे बढ़ गए, चुनाव आयोग मशीन रिडेबल फार्म में मतदाता सूची क्यों उपलब्ध नहीं करा रहा है। इन सवालों के साथ राहुल गांधी ने हाल ही में एक लेख भी लिखा था और फिर से पूछा था कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केन्द्रीय मंत्री को क्यों शामिल किया गया। जब आयुक्त के पद पर कौन बैठेगा यह फैसला प्रधानमंत्री और उनके केन्द्रीय मंत्री ले लेंगे तो फिर नेता प्रतिपक्ष की राय चाहे जो हो, वह मानी ही नहीं जाएगी। लेकिन विडंबना है कि नेता प्रतिपक्ष की आपत्तियों और सवालों को सरकार तो हल्के में ले ही रही है, चुनाव आयोग का रवैया भी ऐसा ही हो गया है। हालांकि राहुल गांधी सवाल उठाना नहीं छोड़ रहे। मतदान के वीडियो फुटेज पहले एक साल रखने का नियम था, अब आयोग ने उसे 45 दिन कर दिया है, तब भी राहुल गांधी ने आयोग पर सबूत मिटाने के आरोप लगाए थे। अब फिर से महाराष्ट्र की हाईप्रोफाइल नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट पर उन्होंने सवाल किए हैं। दरअसल मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस की इस सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 और विधानसभा चुनाव के बीच के मात्र छह महीनों में 29,219 नए वोटर जोड़े गए। यानी औसतन हर दिन 162 वोटर। यह वृद्धि 8.25 प्रतिशत है, जो चुनाव आयोग के तय 4 प्रतिशत की सीमा से दुगनी है। अगर यह सीमा पार होती है तो वहां मतदाताओं के अनिवार्य सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। न्यूज़ लॉन्ड्री की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है, जिसके बाद राहुल गांधी ने मंगलवार को ट्वीट किया - महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में, मतदाता सूची में केवल 5 महीनों में 8फीसदी की वृद्धि हुई। कुछ बूथों पर 20-50फीसदी की वृद्धि देखी गई। बीएलओ ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वोट डालने की सूचना दी। मीडिया ने बिना सत्यापित पते वाले हजारों मतदाताओं का पता लगाया। और चुनाव आयोग? चुप - या मिलीभगत। ये अलग-अलग गड़बड़ियां नहीं हैं। यह वोट चोरी है। कवर-अप ही कबूलनामा है। इसलिए हम डिजिटल मतदाता सूची और सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।

बता दें कि न्यूज़लॉन्ड्री की रिपोर्ट के अनुसार, 50 बूथों में कम से कम 4,393 वोटरों के पते दर्ज नहीं हैं। जबकि चुनाव आयोग की प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म 6 के साथ घर के पते का प्रमाणपत्र देना अनिवार्य है, और बीएलओ द्वारा मौके पर जाकर सत्यापन किया जाना चाहिए। लेकिन स्थानीय बूथ लेवल अधिकारियों का दावा है कि कई क्षेत्रों में ऐसी कोई जांच नहीं की गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि नागपुर द.पश्चिम विधानसभा के 378 बूथों में से 263 में वोटर की संख्या में 4 फीसदी से ज्यादा वृद्धि देखी गई। इनमें से 26 बूथों में 20 फीसदी से ज्यादा और 4 बूथों में 40फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई। चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक ऐसी वृद्धि होने पर जमीनी स्तर पर सत्यापन, सुपरवाइजर जांच और सीईओ स्तर पर सुपर-चेकिंग अनिवार्य है। लेकिन न्यूज़लॉन्ड्री ने जिन ब्लॉक अधिकारियों से बात की, उनमें से कई ने बताया कि उन्हें जिला चुनाव कार्यालय से फॉर्म थोक में मिले, और अधिकांश के पते या व्यक्ति उन्हें कभी मिले ही नहीं।

नागपुर में वोटरलिस्ट धांधली का सबसे बड़ा सबूत है कि ईसीआई के नियमों का पालन नहीं हुआ या नहीं कराया गया। ग्राउंड पर तैनात अधिकारियों ने खुद ही वोटरलिस्ट का सत्यापन नहीं करने की बात स्वीकार की है। लेकिन चुनाव आयोग मतदाता सूची में कमी या बढ़त को इसलिए मामूली घटना मान रहा है क्योंकि माइग्रेशन अब बहुत सामान्य हो गया है। उसके मुताबिक अगर फॉर्म भरने वाले के पास कुछ दस्तावेज़ हैं और बीएलओ ने फील्ड वेरिफिकेशन कर लिया, तो हम उसे जोड़ देते हैं।' हालांकि नागपुर साउथ वेस्ट जैसी हाई-प्रोफाइल सीट पर अगर बड़े पैमाने पर बिना सत्यापन के वोटर जुड़ रहे हैं, तो यह चुनाव प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अगर बूथ स्तर के कर्मचारी खुद कह रहे हैं कि उन्हें नए वोटरों के बारे में जानकारी नहीं है, तो इसे मतदाता सूची में हेरफेर की तरह ही देखा जाना चाहिए। मगर आयोग यहां बेफिक्र दिख रहा है।

नागपुर जिले की जनगणना के मुताबिक 2001 और 2011 के बीच 14 प्रतिशत की जनसंख्या वृद्धि बताती है। जो पिछले दशक की तुलना में कम थी। अगर आबादी में यकायक वृद्धि नहीं हो रही है, तो मतदाता सूची में संख्या कैसे बढ़ रही है, यह सोचने वाली बात है।

चुनाव आयोग को अपनी साख और लोकतंत्र दोनों का ध्यान रखते हुए इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

फिर साबित हुआ कि कायर छिपकर वार करते हैं

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

इस समय वार-पलटवार की बात करने पर इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का ही संदर्भ सबसे पहले ध्यान में आता है। इजरायल ने ईरान में तख्तापलट के लिए परमाणु हथियारों के बहाने से हमला किया और उसके मसीहा अमेरिका ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर यानी आधी रात को हथौड़े की चोट बताते हुए ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर बम गिराए। शांति की बात करते-करते डोनाल्ड ट्रंप युद्ध में शामिल हो गए और अब उनके मुंह से भी सच्चाई निकल गई है कि ईरान को फिर से ग्रेट बनाना है तो यहां की सत्ता को बदलना होगा। यानी छिपकर, बहाने बनाकर कायरों की तरह इजरायल और अमेरिका लड़ रहे हैं, मगर दुनिया को नसीहत दे रहे हैं कि शांति शक्ति से ही आती है। हालांकि अब इन दोनों देशों का सच दुनिया के सामने आ गया है और इनका साथ देने वाले या चुप रहकर विश्वगुरु बनने के ख्वाब देखने वालों की सच्चाई भी सब देख रहे हैं। दिनकर ने कहा है-

समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध।
जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।।

अपने आसपास नाइंसाफी, शोषण, अत्याचार देखकर भी अगर सब कुछ चंगा सी के मोहजाल में देश फंसा रहा तो समय की किताब में उसका यह अपराध दर्ज होगा। और यहां मुद्दा केवल ईरान या फिलीस्तीन पर हुआ अत्याचार नहीं है। अपने देश में भी जिस तरह का माहौल बनाने की सायास कोशिशें हो रही हैं, उन्हें देखकर भी यही लग रहा है कि अत्याचार करने के नए बहाने, नए माहौल और नए तरीके ईजाद किए जा रहे हैं।

हाल-फिलहाल में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनसे पता चलता है कि संविधान बदलने की भाजपा की कोशिश अभी खत्म नहीं हुई है। बस तरीके बदल गए हैं। अभी भाजपा पूरे देश में संविधान हत्या विरोधी दिवस मनाने में लगी है, उसे किसी भी तरह आपातकाल के मुद्दे को जिंदा रखना है ताकि कांग्रेस को घेरने में मदद मिले। संविधान के साथ हत्या जैसा शब्द भी वही लोग लगा सकते हैं जो गांधी को मार कर उसे वध का नाम देते हैं। ऐसी सोच वाले लोगों की नजर में संविधान भी शुरु से खटकता रहा है और तिरंगा झंडा भी। हालांकि नरेन्द्र मोदी अपने ऊपर से इस दोष की मिट्टी को झाड़ना चाहते हैं, इसलिए घर-घर तिरंगा अभियान चलाया और अब संविधान को बचाने की बात कह रहे हैं। लेकिन उनकी पार्टी की केरल ईकाई के नेता और भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहे एन. शिवराजन ने कहा कि देश का झंडा भगवा होना चाहिए, ये मेरी निजी राय है, भारत का झंडा कांग्रेस और एनसीपी के झंडे जैसा नहीं हो सकता है। यहां निजी राय बोलकर शिवराजन ने अपनी पार्टी नेतृत्व को सवालों से बचाने की कोशिश की है, लेकिन भाजपा का मकसद फिर भी सामने आ गया है। देश का झंडा अगर कांग्रेस या एनसीपी से मिलता जुलता नहीं हो सकता तो फिर भाजपा के रंग से कैसे मिल सकता है, इस बात का जवाब भी शिवराजन को देना चाहिए। हालांकि जवाब देने की परिपाटी भाजपा में नहीं है।

तिरंगे के बाद अब अंग्रेजी भी भाजपा के निशाने पर है। इस बार तो सीधे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाला है। उन्होंने कहा है कि ऐसा समाज बनाएंगे, जिसमें अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी। यह बयान पूरी तरह नफरत से प्रेरित है कि किसी भाषा के इस्तेमाल पर शर्म आए। इस देश में बड़ी आबादी हिंदी बोलती और समझती है। शुद्ध हिंदी तो अब विरले ही बोल, लिख या समझ पाते हैं। मगर फिर भी गलत-सलत ही सही हिंदी का इस्तेमाल ही ज्यादा होता है। फिर भी अमित शाह या भाजपा को किस बात की कुंठा है कि वे हिंदी और अन्य मातृभाषाओं को थोपने के लिए अंग्रेजी के खिलाफ शर्म का माहौल बनाने में लगे हैं। राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, एस.जयशंकर, हिमंता बिस्वासरमा, हरदीप सिंह पुरी, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, गजेन्द्र सिंह शेखावत, निशिकांत दुबे, ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्मृति ईरानी इन सबके बच्चों ने विदेशों में डिग्री हासिल की है, और इनमें से खुद कई अंग्रेजी माध्यम में ही पढ़े हैं और अब भी अंग्रेजी में ही ढंग से बात कर पाते हैं। तो अब इन्हीं को जवाब देना चाहिए कि आगे से शर्म से बचने के लिए ये क्या उपाय करने वाले हैं।

भाषा का झगड़ा, झंडे का अपमान ये सब संविधान विरोधी कार्य ही हैं। लेकिन भाजपा तो संविधान हत्या विरोधी दिवस मनाती है, संविधान के अपमान को रोकने की कोशिश नहीं करती। इसलिए जब-तब दलितों, अल्पसंख्यकों पर तरह-तरह से प्रताड़ना के मामले सामने आते हैं। अभी एक भागवत कथा करने पहुंचे व्यक्ति के सिर से बाल मूंड दिए गए क्योंकि अहीर होने के बावजूद वह ब्राह्मण परिवार में कथा करने पहुंचा। एक निजी एयरलाइंस में एक पायलट को अपमानित किया गया कि तुम प्लेन उड़ाने लायक नहीं हो, जाकर चप्पलें सिलो। जाति के नाम पर इस तरह की प्रताड़ना के ये प्रकरण बता रहे हैं कि हिंदू राष्ट्र बनाने के बाद मनु स्मृति को लागू करना इनका अंतिम मकसद है।

लोकसभा चुनावों में खुलकर संविधान बदलने की वकालत कई भाजपा नेताओं ने की थी। उसमें कामयाबी नहीं मिली तो संसद में अंबेडकर-अंबेडकर कहना फैशन हो गया है, ऐसी टिप्पणी गृहमंत्री ने की और अपने कथन पर उन्हें अफसोस भी नहीं है। अब अंबेडकरजी के अपमान का नया खेल किया जा रहा है, वह भी कायरों की तरह छिपकर। उत्तरप्रदेश में शांभवी पीठ और काली सेना के संस्थापक, समाजसेवी कहे जाने वाले स्वामी आनंदस्वरूप ने नयी बहस की शुरुआत की है कि भारतीय संविधान बाबासाहेब ने नहीं, बल्कि सर बी. एन. राव ने तैयार किया था। इसका सोशल मीडिया पर खूब प्रचार भी हो रहा है। जबकि यह दावा अंबेडकर की महान विरासत को अपमानित करने के साथ-साथ संविधान सभा के उन सभी सदस्यों का भी अपमान है, जिन्होंने संविधान बनाने में डा. अंबेडकर की असाधारण भूमिका को सार्वजनिक तौर स्वीकार किया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था, 'उन्हें प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना हमारा सबसे सही निर्णय था। उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य के बावजूद दिन-रात काम कर इतिहास रच दिया।' टी. टी. कृष्णमाचारी ने कहा था कि प्रारूप समिति के अधिकांश सदस्य या तो अनुपस्थित थे या असमर्थ, इसलिए 'पूरी जिम्मेदारी अंततः डॉ. अंबेडकर के कंधों पर आ गई।' एस. नागप्पा ने कहा था, 'अस्पृश्य वर्गों के हितों की सबसे सशक्त आवाज़ बाबासाहेब ही थे। उनके कारण ही हम आश्वस्त हो पाए।' फ्रैंक एंथनी ने कहा था- 'संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर ने अद्भुत स्पष्टता और विस्तृत दृष्टिकोण प्रदर्शित किया है। कई बार असहमति के बावजूद, उनके तार्किक कौशल की प्रशंसा करनी ही पड़ती है।' पंडित बालकृष्ण शर्मा ने कहा था- 'प्रारूप समिति और डॉ. अंबेडकर संकीर्णता से प्रेरित नहीं थे। उनका कार्य पूर्णतः न्यायोचित और राष्ट्र के हित में था।' हर गोविंद पंत ने कहा था- 'डॉ. अंबेडकर ने संविधान के प्रावधानों को जिस विद्वता और स्पष्टता से प्रस्तुत किया, उसके लिए उन्हें 'पंडित' कहना भी उचित है।' हालांकि केशवराव जेधे ने पंडित या ऋषि जैसे शब्दों पर आपत्ति जताई थी, उन्होंने कहा था कि 'तीन वर्षों तक चले कठिन श्रम के बाद जो महान कार्य उन्होंने पूर्ण किया, वह अद्वितीय है। उन्हें 'विधान ऋषि' कहना उपयुक्त नहीं होगा क्योंकि वे उन वर्णों से घृणा करते थे जिन्होंने जातियां बनाईं।' ज्ञानी गुरमुख सिंह मुसाफिर ने कहा था कि- 'डॉ. अंबेडकर और समिति के सदस्यों ने विषम परिस्थितियों में अत्यंत परिश्रम से यह प्रारूप तैयार किया, इसके लिए वे हमारी बधाई के पात्र हैं।' जे.जे.एम. निकोल्स-रॉय ने कहा था कि 'संविधान निर्माण में डॉ. अंबेडकर और उनके सहयोगियों का कार्य महान है। यह सबसे उत्कृष्ट संविधान है जो परिस्थितियों में बनाया जा सकता था।' एच. जे. खांडेकर ने कहा था- 'यह भारत का कानून है जिसे डॉ. अंबेडकर ने बनाया है। यह कानून भारत को वास्तव में स्वर्ग बना सकता है।'

संविधान सभा में शामिल कई प्रांतों और कई अलग-अलग धर्मों व जातियों से आने वाले इन सदस्यों की टिप्पणियों से जाहिर होता है कि संविधान को बनाने का श्रेय सबने डा. अंबेडकर को ही दिया है। आधुनिक भारत के सबसे बुद्धिमान, दूरदर्शी और असाधारण प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों में से उन्हें एक माना गया है। आज स्वतंत्र भारत में एकता, अखंडता, बंधुत्व, न्याय और विकास का जो ढांचा तैयार हुआ, वह डा. अंबेडकर की ही देन है, जिसमें नेहरू-गांधी के सपनों का भारत साकार हुआ। अब उस भारत के विचार को तहस-नहस किया जा रहा है। लेकिन यह पाप करने के लिए भी खुलकर हिम्मत नहीं दिखाई जा रही है, कायरों की तरह किसी की आड़ में प्रहार हो रहे हैं।

अपने आसपास नाइंसाफी, शोषण, अत्याचार देखकर भी अगर सब कुछ चंगा सी के मोहजाल में देश फंसा रहा तो समय की किताब में उसका यह अपराध दर्ज होगा। और यहां मुद्दा केवल ईरान या फिलीस्तीन पर हुआ अत्याचार नहीं है। अपने देश में भी जिस तरह का माहौल बनाने की सायास कोशिशें हो रही हैं, उन्हें देखकर भी यही लग रहा है कि अत्याचार करने के नए बहाने, नए माहौल और नए तरीके ईजाद किए जा रहे हैं।

अमीरी बढ़ रही है और गरीबी भी

भारतीय मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है या बढ़ रहा है यह बात हमारी अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वालों के लिए एक पहेली बना हुआ है। और सरकार द्वारा जनगणना कराने में अनावश्यक देरी होने के चलते ही नहीं उपभोक्ता सर्वेक्षण समेत काफी सारे सर्वेक्षणों पर रोक लगाने या उनके नतीजे सामने न लाने के चलते भी इस सवाल का विश्वसनीय जबाब देना मुश्किल हो रहा है। हाल में जिस तरह से कार बाजार में स्टाक का रिकार्ड बनता जा रहा है, अर्थात बिक्री से ज्यादा कार बन रहे हैं, वह बताता है कि मध्य वर्ग को लेकर इस बाजार के जानकार चूक कर रहे हैं। दूसरी ओर पिछले डेढ़-दो वर्ष मे शहरी मकानों की बिक्री में जो तेजी दिखी है और मकान बनाने के अंदर जो बदलाव हुए हैं वे बताते हैं कि बड़े मकानों की मांग बढ़ रही है, साल भर में दामों मे लगभग एक तिहाई (दिल्ली एनसीआए में एक साल में 34 फीसदी) की तेजी के बावजूद रियल इस्टेट बाजार तेज है। इतना ही नहीं अब एक या दो बेडरूम के फ्लैट बनने और बिकने कम हो गए हैं। इसी तरह छोटी कारों की बिक्री कम होने के सांथ ही अब दोपहिया वाहनों, खासकर मोटरसाइकिलों की बिक्री में भी कमी दिखने लगी है। वैसे कुल मिलाकर ग्रामीण उपभोक्ता बाजार भी बढ़ना बंद कर चुका है।

मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है और काफी लोग नीचे भी धकेले गए हैं। बजट से पहले पेश आर्थिक सर्वेक्षण ही बताता है कि हमारे समाज के शीर्ष का एक तिहाई हिस्सा 77.8 फीसदी हिस्से पर काबिज है जबकि गरीबों वाले एक तिहाई हिस्से के पास 6.4 फीसदी संसाधन ही रह गए हों। अब इसी से यह बात समझ आती है कि पांच किलो मुफ़्त अनाज योजना के दायरे में अस्सी करोड़ लोग क्यों हैं। और उनकी संख्या कम करने या यह योजना रोकने की हर कोशिश का राजनैतिक विरोध क्यों हो रहा है। अगर देश की आबादी 1.4 अरब मानें तब भी यह संख्या तो तिहाई आबादी को कवर करती है अर्थात शीर्ष अमीर जमात के अलावा सबको। और कथित मध्य वर्ग ऐसी हालत में है कि उसे पांच किलों मुफ्त अनाज लेना (और बदले में राजनैतिक लाभ देना अर्थात वोट देने में) कोई अनैतिक काम नहीं लगता।

अब सरकार चाहे चार लाख तक की आमदनी को कर से मुक्त रखे और 12.75 लाख की आमदनी को कई तरह की शर्तों और बचत के साथ कर मुक्त कर दे लेकिन बाजार के जानकार, जिनका मतलब उपभोक्ता अर्थात कंज्यूमर से होता है, मानते हैं कि देश में शीर्ष दस फीसदी अर्थात करीब 14 करोड़ लोग अमीर या उच्च -मध्यवर्ग के हैं और वे पंद्रह हजार डालर तक खर्च करने लगे हैं। 2019 से 2024 के बीच यह रकम बारह हजार से बढ़कर पंद्रह हजार डालर हुई है। एक ओर उनका औसत खर्च पांच साल में बीस फीसदी बढ़ा है तो अगले 23 फीसदी लोगों का खर्च तीन हजार डालर साल पर रुक सा गया है। बाजार के जानकार इनको 'कंज्यूमर रिलक्टेंट पर्चेजर्स' कहते हैं। अब यह दोनों हिसाब रुपए में बदलने पर भी सरकारी आयकर की परिभाषा या गिनती से कितना अलग है यह बताने की जरूरत नहीं है पर यह कहीं न कहीं यही बताता है कि हमारा कथित मध्य वर्ग अभी भी सामान्य उपभोग पर महीने में पचीस हजार रुपए से ज्यादा खर्च नहीं करता। और सरकार जिन्हें बचत या निवेश के आधार पर कर मुक्त रखने की घोषणा कर रही है वे असल में इसी शीर्ष वाले दस फीसदी के लोग हैं।

अब आप रियल इस्टेट की कीमतों में अचानक आई तेजी और बड़े घरों की मांग बढ़ने या बड़ी कारों की मांग बढ़ने जैसे सच पर गौर करते हैं तब यह बात समझ आती है कि मुंबई की कीमतें ऐसी हो गई हैं कि एक आदमी की सौ साल से भी ज्यादा की बचत एक ठीक ठाक मकान दिलवाने लायक नहीं रह गई है। महानगरों में कोई तीन बेडरूम फ्लैट करोड़ से नीचे का नहीं है और मध्य आकार वाले शहर भी वहीं पहुंचने वाले हैं। अगर औसत खर्च पचीस हजार करना भारी पड़ता है तो सत्तर-पचहत्तर हजार महीने की किस्त देकर कौन फ्लैट ले सकता है। सो सिर्फ मुफ़्त या सस्ते राशन पर जोर नहीं पड़ रहा है बल्कि इंदिरा आवास और पीएम आवास योजनाओं जैसे कार्यक्रमों में भारी घूसखोरी और भीड़ है। आधी रकम तक ऊपर बंट जाती है, ऊपर मतलब मोदी-शाह नहीं जिला और ब्लाक के अधिकारियों से लेकर गांव के प्रधान और कर्मचारी तक। और इसके राजनैतिक लाभ घाटे भी साथ जुड़े हैं। इतना ही नहीं महंगे घर और फ्लैट या गाड़ियों में दोहरा-तिहरा आर्डर भी इन्हीं सबसे जुड़ा है- वहां कोई अंबानी या अडानी छद्मनामों से बुकिंग कराने नहीं जाते। इसी नोएडा में जितने बिल्डर फेल हुए और सरकार ने एनबीसीसी के माध्यम से जिन परियोजनाओं को पूरा कराया उनमें कितने फीसदी बुकिंग वाले आए ही नहीं। यह प्रतिशत और नाम नेताओं और अधिकारियों अर्थात नवधनाढ्य वर्ग की सच्चाई को सामने ला सकता है लेकिन इसमे किसी की रुचि नहीं दिखती। उस पीड़ित वर्ग की भी नहीं जिसकी जिंदगी भर की कमाई इन परियोजनाओं में फंसी पड़ी थी।

सो भारत में अगर करखनिया उत्पादन के आंकड़े गिर रहे हैं, एसेम्बलिङ्ग को उत्पादन माना जाने लगा है और खेती-किसानी को बोझ तो अर्थव्यवस्था का ऐसा बेडौल स्वरूप उभरेगा ही। यह आर्थिक गैर बराबरी और उपभोग के स्तर का अंतर ही भ्रष्टाचार का असली जनक है। इसका लाभ समाज का ताकतवर जमात ज्यादा उठाता है-नीचे के लोगों में भी सुधार की जगह इसी होड़ में शामिल होने का रास्ता आसान लगता है। इसलिए राजनैतिक सामाजिक आंदोलन ठप्प होकर भक्ति समुदाय बढ़ रहा है। और भक्त बनाने वाले पांच किलो राशन से लेकर आशीर्वाद बांटने के काम को प्राथमिकता दे रहे हैं। अगर वे भ्रष्टाचार खत्म कारण एके नाम पर शासन में आते हैं तब भी उनकी रुचि दूसरे कामों में ज्यादा हों जाती है। और जिस मध्य वर्ग को इस सब की ज्यादा चिंता होती रही है वह ऊपर जाने की होड़ में है। वह कब नीचे धकेल दिया जाएगा इसकी समझ भी उसको नहीं है।

अरविन्द मोहन

मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है।

आपके पत्र

क्या गलत था पुराना शैक्षणिक कैलेंडर ?

बहुत वर्षों से मेरे मन में एक अनसुलझा सवाल मुझको उलझाए हुए है। जब मैं अपनी स्कूली शिक्षा के दौर से गुजर रहा था। बड़ा सुकून महसूस किया करता था। 1 जुलाई से स्कूलों में पढ़ाई शुरू हुआ करती थी, सितंबर माह में तिमाही परीक्षा, लगभग दिसंबर माह में छमाही परीक्षा और फिर मार्च के अंत तक या अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह तक वार्षिक परीक्षा संपन्न की जाती थी। इस बीच खेलकूद की गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसे वार्षिकोत्सव स्नेह सम्मेलन कहा जाता था, भी संपन्न हुआ करते थे। इस बीच दीपावली का बड़ा पर्व भी हमेशा की तरह आया करता था। नवरात्रि पर्व की अष्टमी तिथि या एक-दो दिन आगे- पीछे दीपावली की छुट्टी शुरू हो जाया करती थी। यह छुट्टियां लगातार लगभग 25 दिन चला करती थीं। पर्व का उत्साह सिर चढ़कर बोला करता था। सबसे बड़ी बात यह कि सारी गतिविधियां बिना किसी व्यवधान के हो जाया करती थी। अप्रैल के अंतिम दिनों में परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने के उपरांत गर्मियों की छुट्टियां शुरू हुआ करती थीं।

बच्चे पूरी तरह गर्मी और सूर्य की तपन से राहत पाया करते थे। न जाने उक्त कैलेंडर में क्या कमी अथवा बड़ी त्रुटि कर्णधारों को नजर आई कि उसे पूरी तरह बदल दिया गया? अब भरी गर्मी में पूरे अप्रैल माह के अंत तक उन्हें अगली कक्षा की तैयारी में झोंका जाना शुरू कर दिया गया। इतना ही नहीं मानसून के सक्रिय होने से पहले पुनः 15 जून से तपती दोपहरी में स्कूल की दहलीज पर पहुंचने का फरमान विद्वान शिक्षाविदों द्वारा दिया जाने लगा है।

आज मैं अनेक विद्वानों की नजर में बे-अक्ल कहा जाऊं तो मुझे कोई शिकवा-शिकायत नहीं है। केवल इतना जानना चाहता हूं कि पुराने शैक्षणिक सिस्टम और अत्याधुनिक, वर्तमान के कैलेंडर के बीच शिक्षा जगत के कर्णधारों ने क्या उल्लेखनीय प्रगति की? क्या पहले के शिक्षाविदों ने जो वार्षिक शैक्षणिक गतिविधि को अपनाया था वह दूषित थी? क्या उस वक्त शिक्षा ग्रहण करने वालों को आधी-अधूरी तैयारी के साथ परीक्षा में बैठने विवश होना पड़ रहा था? क्या परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर शिक्षार्थी नहीं दे पा रहे थे? यदि इन प्रश्नों का उत्तर न में है तो फिर एक सु-व्यवस्थित समय सारिणी को क्यों बदला गया? दूसरी ओर यदि मेरे प्रश्नों का उत्तर हां में है तो यह बताया जाए कि नए कैलेंडर में बच्चों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है या फिर कहीं न कहीं इसे शिक्षा माफियाओं के स्वार्थ से तो नहीं जोड़ दिया गया है? मैं आखिर क्यों इस तरह की तुलना में उलझा हूं? जहां तक मैं सोचता हूं इस वक्त के सिस्टम में बच्चों के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया गया था, जो अब पूरी तरह विलुप्त दिख रहा है। नए शैक्षणिक कैलेंडरों में बच्चों की छुट्टियां लगभग खत्म कर दी गई हैं। मार्च माह के तीसरे सप्ताह तक परीक्षा में उलझे बच्चों को बमुश्किल एक सप्ताह का आराम मिल पाता है। 1 अप्रैल से पुनः 30 अप्रैल तक कक्षाएं लगाई जाती हैं। आप यह जरूर कह सकते हैं कि 1 मई से 14 जून तक बच्चों को छुट्टी दी जा रही है। मैं इसे नहीं मानता! कारण यह कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बड़ी चालाकी के साथ 'समर क्लासेज' के नाम पर बच्चों को बाहर जाने से रोक दिया जाता है! नाना-नानी सहित दादा-दादी का प्यार पाने बच्चे तरसा दिए जा रहे हैं।

वह भी एक समय था जब बच्चे स्कूल की छुट्टियां शुरू होते ही मैदानों में पहुंचने लगते थे। शाम 4 बजे से हर शहर के खेल मैदान बच्चों के खेल जीवन और उनकी उन्मुक्त आवाजों से गूंज उठते थे। हॉकी से लेकर फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल के साथ ही अपनी चाहत के अनुसार बच्चे बेसबॉल के ग्राउंड में धमाचौकड़ी करते देखे जाते थे। आज की नवीन व्यवस्था ने छुट्टियों के गिने-चुने दिनों को भी चुनौती पूर्ण बनाते हुए बच्चों को कोचिंग कक्षाओं से जोड़ दिया है। कुछ इस तरह की स्थिति निर्मित की जा रही है कि बच्चों के साथ ही पालकों को भी ऐसा लगने लगा है कि यदि बच्चे खेल के मैदान में होंगे तो अपना भविष्य नहीं संवार पाएंगे! कुल मिलाकर उस कहावत को साइन बताने का प्रयास सफल होता दिख रहा है जो कुछ इस तरह है- पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब।

शिक्षा को व्यवसाय नहीं सेवा के दायरे में ही रहने दिया जाए। इस हेतु केंद्र स्थित सरकार के साथ ही राज्य सरकारों को भी चिंता करनी चाहिए।

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, राजनांदगांव

ललित सुरजन की कलम से

अगर नक्सली चुनाव लड़ते!

'इंदिरा गांधी के कार्यकाल में एक बड़ा निर्णय तो यह ले ही लिया गया था कि असम को जनजातीय विशेषताओं के आधार पर विभाजित कर दिया जाए। इस तरह अरुणांचल, नागालैण्ड, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय ये छह नए प्रांत अस्तित्व में आए। यह निर्णय पूरी तरह कारगर सिद्ध नहीं हुआ तथा असंतुष्ट कबीलों की छापामार कार्रवाईयां चलती रहीं। यह एक पेचीदा विषय है जिसकी बारीकियों में जाने का अवसर यहां नहीं है। जो तथ्य उल्लेखनीय है वह यह कि ललडेंगा के नेतृत्व में विद्रोह का झंडा उठाए मिजो जन केन्द्र सरकार से बातचीत के लिए राजी हुए। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के दूतों के साथ उनकी बात चलती रही और 1986 में अंततः वह दिन आया जब राजीव गांधी के साथ ललडेंगा ने ऐतिहासिक संधि पत्र पर हस्ताक्षर किए व मिजोरम में शांति का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज 30 साल के भीतर मिजोरम देश के सबसे उन्नत प्रदेशों में से एक बन चुका है। मानव विकास के सूचकांकों पर वह बहुत ऊपर है।'

(देशबन्धु में 06 जून 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/06/blog-post.html

पावन प्रसंग

ज्ञान का प्रकाश और सफलता के सोपान

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं। संस्कृति ने नए-नए आयाम का सृजन किया है, वैसे वैसे जीवन परिवर्तन का पर्याय हुआ है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व व समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा, भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल- कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है।

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं। शिक्षा और ज्ञान की न तो गहराइयां नापी जा सकती है, और न ही इसकी ऊंचाई को। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए-नए आविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नालॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी।

दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है। राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं।

-संजीव ठाकुर

खेल जगत

भले ही हम दबाव में थे लेकिन हमें विश्वास था कि हम मैच पलट देंगे : स्टोक्स

लीड्स। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लीड्स टेस्ट के अंतिम दिन बेन डकेट और जैक क्रॉली की 188 रन की साझेदारी की जमकर तारीफ की। पहले टेस्ट में उनकी टीम ने हेडिंग्ले में 371 रन का पीछा करते हुए इतिहास बना दिया। तीन साल पहले इंग्लैंड में इन दोनों टीमों की आखिरी भिड़ंत तब 378 रन के रिकॉर्ड चेज से सीरीज बराबरी पर खत्म हुई थी (एजबस्टन, 2022)। इस बार का मुकाबला मैच के अंतिम घंटे की पहली ही गेंद पर खत्म हुआ। हालांकि इंग्लैंड की असली मेहनत पहले दो सत्रों में हुई, जिसमें डकेट ने पहले 62 और फिर दूसरी पारी में 170 गेंदों पर 149 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता। उनकी ये पारी इंग्लैंड की चेज के शुरुआती 55 ओवरों तक चलती रही। स्टोक्स ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि यह अविश्वसनीय था। जब तक आप इसमें शामिल न हों, आप चौथी पारी का दबाव समझ नहीं सकते।

भारत लीड्स टेस्ट में 5 विकेट से हारा

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 25 जून (देशबन्धु)। भारत अपने शीर्ष क्रम में ऋषभ पंत के दोनों पारियों में, यशस्वी जायसवाल व कप्तान शुभमन गिल के पहली पारी और केएल राहुल के दूसरी पारी में जमाए शतकों और अपने धुरंधर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पहली पारी में चटकाए पांच विकेट के बावजूद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की नई साइकिल में पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी के लीडस में सीरीज का पहला लगभग जीता टेस्ट पांच विकेट से हार गया। भारत के लिए पहले टेस्ट की यह हार पांच टेस्ट की इस सीरीज के आगामी टेस्ट मैचों के लिए मंथन करने वाली है। भारत इससे पहले ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावसकर ट्रॉफी 1-3 से हार गया था। भारत द्वारा जीत के लिए दूसरी पारी में रखे गए 371 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की 149 रन की बेहतरीन पारी सेको पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैड ने टेस्ट क्रिकेट में चौथी पारी में दूसरा सबसे लक्ष्य तो हासिल किया ही यह भारत के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा हासिल किया या दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य था। इंग्लैंड ने इससे पहले 2022 में भारत के खिलाफ सबसे एजबेस्टन टेस्ट में 378 रन का इससे बड़ा लक्ष्य हासिल किया था। बेशक रोहित शर्मा , विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की 1-3 से हार के बाद एक एक टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद टीम इंडिया बदलाव के दौर से गुजर रही है। भारत को अब नए खिलाड़ियों के साथ अपने स्लिप के घेरे के क्षेत्ररक्षकों को और मुस्तैदी की जरूरत है। भारत के गेंदबाजो को भी पल पल बदलते कभी धूप और कभी छांव वाले नम मौसम के साथ बतौर गेंदबाज जल्द से जल्द तालमेल बैठाने की जरूरत है। नए कप्तान शुभमन गिल की बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम टीम की लीडस में सीरीज के पहले ही टेस्ट में अग्नि परीक्षा हो गई। बेशक ड्रेसिंग रूम का माहौल खुशनुमा होना चाहिए और खिलाड़ियों का सम्मान भी किया जाना चहिए लेकिन टीम के साथियों में भारत के नए कप्तान शुभमन गिल का कुछ खौफ भी होना चाहिए। भारत के कप्तान शुभमन गिल और चीफ कोच गौतम गंभीर के लिए सबसे अहम चुनौती लीडस में पहले टेस्ट में हार के बाद अगले टेस्ट मैचों के लिए टीम का मनोबल बढ़ाने की होगी। भारत के जीत के द्वार पहुंच कर हार के वरण करने का सबसे बड़ा पहली पारी में उसके क्षेत्ररक्षकों द्वारा टपकाए पांच कैचों के साथ उसकी दोनों पारियों में निचले क्रम में उसके आखिरी चार बल्लेबाजों का ताश के पत्तों की तरह ढह कुल मिलाकर नौ रन ही जोड़ना। भारत लीडस में सीरीज का पहला टेस्ट पांच विकेट से हारने के बजाय इसे जीत कर पांच टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढत हासिल कर सकता लेकिन दूसरी पारी में अपनी बेदम गेंदबाजी के चलते ही उसे इसमें हार झेलनी पड़ी।

- शुभमन गिल की बतौर कप्तान पहले ही टेस्ट में हुई अग्नि परीक्षा
- कप्तान शुभमन व चीफ कोच गंभीर के सामने चुनौती टीम का मनोबल बढ़ाने की
- पहले टेस्ट में भारत की ओर लगे पांच शतक
- इंग्लैंड की गेंदबाजी को ध्वस्त किया जा सकता है
- जीत की राह लौटने के लिए भारत के निचले क्रम को भी दिखाना होगा दम
- सभी कैच लपकने के साथ भारत को सही एकादश चुननी होगी

हमें कैच छोड़ना महंगा पड़ाः गिल

लीड्स। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमारे पास टेस्ट जीतने का मौका था, लेकिन कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि टेस्ट मैच शानदार रहा। हम इंग्लैंड की टीम को 430 रनों का लक्ष्य देने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन हमने 31 रन जोड़कर अपने आखिरी पांच विकेट गवां दिये। उन्होंने कहा कि हमारे पास मैच जीतने का मौका था। कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा। उन्होंने कहा कि आज भी, मुझे लगा कि पहले विकेट के बाद हमारे पास मौके थे। हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा। इस तरह के विकेट पर मौके आसानी से नहीं मिलते, लेकिन हमारी टीम युवा है, टीम में सीखने का जज्बा है। उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा।

पंत, डकेट की आईसीसी बल्लेबाजी रैकिंग हुई बेह्तर

दुबई। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की हेडिंग्ले टेस्ट में खेली गई शतकीय पारियों के बाद दोनों खिलाड़ी आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ सातवें और आठवें स्थान पर पहुंच गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से आज जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार पंत जहां 800 रेटिंग अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गये है। वहीं डकेट भी पांच पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए हैं। इसके आलवा शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जबकि जो रूट 889 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर, हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है, केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे पायदान पर है। डकेट के इंग्लैंड के साथी ओली पोप तीन पायदान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों के रैंकिंग में कुछ सुधार देखा गया है। जबकि भारतीय कप्तान शुभमन गिल मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए।

टीम इंडिया को गेंदबाजी और फील्डिंग पर मेहनत की जरूरत : किरण मोरे

मुंबई। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में पहला टेस्ट पांच विकेट से गंवा दिया। भले ही पूर्व क्रिकेटर किरण मोरे इस युवा टीम से संतुष्ट हैं, लेकिन उनका मानना है कि भारत की गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। किरण मोरे ने कहा कि हमने मैच में पांच शतक जड़े। हमने चार दिन जबरदस्त खेला। मुझे लगता है कि अंतिम दिन इंग्लैंड बहुत बेहतरीन खेला। मेरा मानना है कि भारत को 500-525 रन बनाने चाहिए थे। दूसरी पारी में 400 भी हो सकते थे। किरण मोरे ने आगे कहा कि फील्डिंग में कुछ गलतियां हो गईं। कैच छूटे हैं, लेकिन कैच छूटते हैं, कोई जानबूझकर छोड़ता नहीं है। मैंने बहुत सालों के बाद एक बढ़िया टेस्ट मैच देखा है।

अनीश भनवाला, सिफ्ट कौर समरा और उमामहेश मड्डिनेनी ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स टी3 में जीत दर्ज की

देहरादून, 25 जून (देशबन्धु)। ओलंपियन अनीश भनवाला, सिफ्ट कौर समरा और जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता उमामहेश मड्डिनेनी ने त्रिशूल शूटिंग रेंज, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में आयोजित ग्रुप 'ए' एथलीटों के लिए तीसरे नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स (टी3) में क्रमशः 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष, 50 मीटर 3 पोजिशन महिला और 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग में जीत हासिल की।

अनीश ने फाइनल में 33 अंक हासिल किए, जो उनके राज्य साथी आदर्श सिंह से चार अंक अधिक थे। आदर्श 29 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नौसेना के प्रदीप सिंह शेखावत ने 23 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन के स्टेज 1 में अनीश ने 293 और स्टेज 2 में 289 अंक बनाकर कुल 582-21× अंकों के साथ फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। प्रदीप ने 581-17× (290, 291) के साथ दूसरा और गुरमीत सिंह ने 579-15× (289, 290) के साथ तीसरा स्थान पाया। हरसिमर सिंह रत्ता (577-21×), नीरज कुमार

(576-16×) और आदर्श सिंह (574-23×) शीर्ष छह में शामिल रहे। 50 मीटर 3 पोजिशन महिला वर्ग में, हाल ही में म्यूनिख में हुए आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली सिफ्ट कौर समरा ने 467.3 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया। वह दूसरे स्थान पर रहीं आकृति दहिया से 10.4 अंक आगे रहीं, जिनके 456.9 अंक थे। आशी चौकसे ने 443.9 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन में आशी ने 592 अंक बनाकर पहला स्थान पाया, जबकि सिफ्ट ने 591 और आकृति ने 588 अंक बनाए। मेहुली घोष (588), आयुषी पोद्दार (587), विदर्शा के. विनोद (586), वंशिका

- आदर्श दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नौसेना के प्रदीप सिंह शेखावत तीसरा स्थान प्राप्त किया

शाह (585) और निश्चल सिंह (585) भी टॉप-8 में शामिल रहीं। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग के फाइनल में, उमामहेश मड्डिनेनी ने 252.2 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने ब्यूनस आयर्स विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता रुद्रांक्ष पाटिल (251.5 अंक) को कड़ी टक्कर देकर हराया। दिव्यांश पंवार ने 230.1 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन राउंड में स्थानीय खिलाड़ी शौर्य सैनी और दिव्यांश पंवार ने समान 632.9 अंक बनाए, लेकिन शौर्य को अधिक 'इनर-10' के आधार पर पहला स्थान मिला। 17 वर्षीय पार्थ राकेश माने ने 632.5 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। रुद्रांक्ष (631.9), पार्थ मखीजा (631.6), उमामहेश (630.9), संदीप सिंह (630.9) और विशाल सिंह (630.7) भी फाइनल में पहुंचे।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

कोलंबो, 25 जून (एजेंसियां)। असिता फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो और सोनल दिनुशा (दो-दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को बांग्लादेश के 220 रन पर आठ विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। असिता फर्नांडो ने अनामुल हक (शून्य) को बोल्ड कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोमिनुल हक ने शादमान इस्लाम के साथ पारी को संभलने का प्रयास किया। धनंजय डीसिल्वा ने मोमिनुल हक (21) को आउट कर बांग्लादेशे को दूसरा झटका दिया। इसके थोड़ी देर बाद ही विश्वा फर्नांडो ने कप्तान नजमुल शान्तो (आठ) को अपना शिकार बना लिया। चौथे विकेट के रूप में शादमान इस्लाम (46) को थरिंडु रत्नायके ने आउट किया। मुशफिकुर रहीम और लिटन कुमार

दास ने बंगलादेश की पारी को कुछ देर संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 67 रनों की साझेदारी हुई। सोनल दिनुशा ने 48वें ओवर में लिटन कुमार दास (34) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। दिनुशा ने इस के बाद मुशफिकुर रहीम (35) को आउटकर बंगलादेश को छठा झटका दिया। मेहदी हसन मिराज (31) को विश्वा फर्नांडो ने आउट कर श्रीलंका को सातवीं सफलता दिलाई। दिन का आखिरी विकेट नईम हसन (25) के रूप में गिरा। उन्हें ए. फर्नांडो ने बोल्ड आउट किया। स्टंप के समय बांग्लादेश ने आठ विकेट पर 220 रन बना लिये है और तैजुल इस्लाम (नौ) और इबादत हुसैन (पांच) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है।

सार संक्षेप

तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच होगी हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की खिताबी जंग

चेन्नई। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप के फाइनल में शुक्रवार को तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच खिताबी जंग होगी। आज यहां खेले गये सेमीफाइनल मुकाबलों में तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने अपनी-अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों पर शानदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई। दिन के पहले सेमीफाइनल मैच में तमिलनाडु ने पुरुष वर्ग में हॉकी चंडीगढ़ को 3-0 से हराया। तमिलनाडु की ओर से विनोथ कुमार एपी ने (पहले) मिनट में एक बेहतरीन गोलकर खेल की शुरुआत की। इसके बाद सुदर्शन एस ने (40वें) और कप्तान एडम एंटनी सिंक्लेयर ने (54वें) मिनट में एक-एक गोल कर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। आज दूसरे सेमीफाइनल मैच में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 4-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। महाराष्ट्र के लिए लियोनार्ड कीथ परेरा ने (चौथे, 17वें) मिनट में दो गोल किए जबकि विक्रम पिल्ले ने (38वें) और कार्ल गोम्स ने (43वें) मिनट में भी एक-एक गोल करके अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

राजस्थान करेगा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी : मांडविया

नई दिल्ली। केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार कहा कि राजस्थान पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करेगा। श्री मांडविया ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पहली बार राजस्थान नवंबर 2025 में पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करेगा। इनमें 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के चार हजार से ज्यादा एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। इन खेलों में युवाओं, एकता और खेल उत्कृष्टता का प्रदर्शन देखने को मिलेगा है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों के जरिए हम एथलीटों को सशक्त बनाने और भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने के लिए जमीनी स्तर के खेलों को मजबूत बनाते हैं। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार होगा जब राजस्थान इन खेलों की मेजबानी करेगा।

इंटर ग्रुप स्पोर्ट्स शूटिंग चैंपियनशिप 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन

चंडीगढ़। नेशनल कैडेस कोर (एनसीसी) निदेशालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ (पीएचएचपीएंडसी) ने इंटर ग्रुप स्पोर्ट्स शूटिंग चैंपियनशिप 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सेना के प्रवक्ता ने बुधवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि छह जून से 22 जून तक आयोजित इस चैंपियनशिप में तीन राज्यों व यूटी चंडीगढ़ के आठ समूहों के 128 प्रतिभागी कैडेट्स ने असाधारण निशानेबाजी और कौशल का प्रदर्शन किया। फाइनल राउंड और समापन समारोह 24 जून, 2025 को हुआ। कुल 128 प्रतिभागियों में से 16 कैडेटों को आगामी अंतर निदेशालय खेल शूटिंग चैंपियनशिप में पीएचएचपीएंडसी निदेशालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जो पांच अगस्त से 18 अगस्त, 2025 तक महाराष्ट्र के कोल्हापुर में आयोजित होने वाली है।

जीएम ललित बाबू, सीएम मधेश ने भारत को जीत दिलाई

- ललित बाबू ने चमचमाती ट्रॉफी पर अपना हाथ रखा और 4 लाख रुपए की विजेता राशि अपने नाम की

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। ग्रैंडमास्टर ललित बाबू और कैंडिडेट मास्टर मधेश कुमार ने 40 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले ऑरियोप्रो इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर और जूनियर शतरंज टूर्नामेंट में भारत को जीत दिलाई, जिसका समापन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में हुआ। ललित बाबू ने शीर्ष वरीयता प्राप्त जॉर्जियाई जीएम लैविन पैंटुलाया के खिलाफ अपने नौवें और अंतिम दौर के मुकाबले में जीत हासिल की और 8 अंक हासिल किए, लेकिन उन्हें कुछ पलों के लिए चिंता में भी रहना पड़ा क्योंकि अर्मेनियाई जीएम मैमिकोन घारिब्यान ने भी 8 अंक हासिल किए और भारतीय जीएम नीलोत्पल दास के खिलाफ अपना अंतिम मैच जीत लिया। हालांकि, ललित बाबू के घारिब्यान के 54 के मुकाबले 54.5 के उच्च टाई-ब्रेक स्कोर ने सुनिश्चित किया कि उन्होंने चमचमाती ट्रॉफी पर अपना हाथ रखा और 4 लाख रुपये की विजेता राशि अपने नाम की। घारिब्यान का दूसरा स्थान 3 लाख रुपये का रहा। एक अन्य भारतीय दीपन चक्रवर्ती पांचवें स्थान पर रहे, उन्हें 1.25 लाख रुपये का पुरस्कार मिला। इसकी तुलना में, शांत और केंद्रित खेल से प्रभावित करने वाले किशोर खिलाड़ी मधेश ने अंतिम दौर में व्योम मल्होत्रा पर जीत हासिल करते हुए आठ अंकों के साथ जूनियर खिताब जीता।

आईएसपीएल ने नई दिल्ली टीम का ऐलान किया

सलमान खान बने टीम के मालिक

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। देश की पहली और सबसे बड़ी टेनिस-बॉल टी-10 क्रिकेट लीग-इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) ने अपने तीसरे सीजन से पहले एक बड़ा ऐलान किया है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अब आईएसपीएल की नई दिल्ली फ्रेंचाइजी के मालिक होंगे। यह नई टीम आईएसपीएल में उस समय शामिल की गई है, जब लीग ने अपने दूसरे सीजन में रिकॉर्ड तोड़ लोकप्रियता हासिल की है। आईएसपीएल के सीजन 2 ने टीवी पर 2.8 करोड़ से अधिक दर्शकों की पहुंच बनाई और पहले सीजन की तुलना में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इसने आईएसपीएल को देश के सबसे बड़े खेल और मनोरंजन फेस्टिवल में से एक बना दिया है, जो क्रिकेट के साथ-साथ संगीत और सितारों के संगम का अद्वितीय अनुभव दर्शकों को देता है। सलमान खान के शामिल होने से न सिर्फ

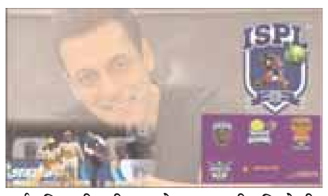

नई दिल्ली टीम को मजबूती मिलेगी, बल्कि पूरे लीग को एक नया जोश और नई पहचान भी मिलेगी। अब वह उन मशहूर हस्तियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पहले से आईएसपीएल की अन्य टीमों का मालिकाना हक संभाला हुआ है। इनमें अमिताभ बच्चन (माझी मुंबई), सैफ अली खान और करीना कपूर खान (टाइगर्स ऑफ कोलकाता), अक्षय कुमार (श्रीनगर के वीर), सूर्या (चेन्नई सिंहम्स), ऋतिक रोशन (बैंगलोर स्ट्राइकर्स) और राम चरण (फाल्कन राइजर्स हैदराबाद) जैसे नाम शामिल हैं। हिंदी सिनेमा के दिग्गज स्टार सलमान खान ने कहा कि क्रिकेट हर भारतीय गली की धड़कन है, और जब वही ऊर्जा स्टेडियम तक पहुंचती है, तो आईएसपीएल जैसी लीग जन्म लेती है। मैं हमेशा इस खेल को लेकर जुनूनी रहा हूं, और आईएसपीएल से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हो रही है। यह लीग न सिर्फ जमीनी स्तर के क्रिकेट को बढ़ावा देती है, बल्कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को एक सशक्त मंच भी देती है। यह तो बस शुरुआत है-सीजन 3 के साथ दर्शकों को हमारी टीम के बारे में और जानने को मिलेगा और उनसे एक गहरा जुड़ाव बनेगा।

- आईएसपीएल के सीजन 2 ने टीवी पर 2.8 करोड़ से अधिक दर्शकों की पहुंच बनाई
- सलमान खान के शामिल होने से पूरे लीग को एक नया जोश और नई पहचान भी मिलेगी

नेमार ने सैंटोस के साथ कॉन्ट्रैक्ट दिसम्बर तक बढ़ाया

रियो डी जेनेरियो, 25 जून (एजेंसियां)। नेमार ने सैंटोस के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक बढ़ा दिया है। इसका ऐलान ब्राजील के सीरी ए क्लब ने किया है।

33 वर्षीय पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड सऊदी प्रो लीग की टीम अल-हिलाल से अलग होने के बाद जनवरी में छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर अपने बचपन के क्लब में लौट आया है। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर का नाम मेजर लीग सॉकर में जाने या यूरोप में वापसी की अटकलों से जुड़ा हुआ था, लेकिन उन्होंने अब 2025 सीजन के अंत तक सैंटोस क्लब में बने रहने पर सहमति जताई है।

नेमार ने क्लब की वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि मैंने एक फैसला लिया और अपने दिल की बात सुनी। सैंटोस सिर्फ मेरी टीम नहीं है। यह मेरा घर, मेरी जड़ें, मेरा इतिहास और मेरा जीवन है। उन्होंने आगे कहा कि यहां मैं एक

लड़का था, जो एक आदमी बन गया। मुझे सच में बहुत प्यार मिलता है। यहां मैं वास्तव में खुश हूं। यहीं पर मैं अपने करियर में अधूरे सपनों को पूरा करना चाहता हूं। मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं जाता हूं, वापस आता हूं और यहीं रहता हूं। जहां से यह सब शुरू हुआ और जहां यह कभी खत्म नहीं होगा। नेमार ने 2009 में सैंटोस के लिए अपना प्रोफेशन डेब्यू किया और क्लब के लिए 243 मैच खेले। इस दौरान 141 गोल किए और 69 असिस्ट दिए। चोटों के कारण वह इस साल आठ बार के ब्राजीलियाई सीरी-ए चैंपियन के लिए सिर्फ 12 मैच ही खेल पाए हैं।सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेरा ने कहा कि यह ब्राजीलियन फुटबॉल के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। सैंटोस एफसी के फैंस के लिए एक तोहफा है। हमारा आइडल, हमारा लड़का, हमारी नंबर 10 शर्ट वाला राजकुमार हमेशा बना रहेगा। यह पुनर्निर्माण प्रक्रिया में एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। हमें मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह नेमार की जरूरत थी।

> मैंने एक फैसला लिया और अपने दिल की बात सुनी। सैंटोस सिर्फ मेरी टीम नहीं है। यह मेरा घर, मेरी जड़ें, मेरा इतिहास और मेरा जीवन है : नेमार

निशानेबाजी लीग के पहले संस्करण के लिए 400 से अधिक एथलीटों ने कराया पंजीकरण

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा शुरू की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के पहले संस्करण में भाग लेने के लिए दुनियाभर के 400 से अधिक निशानेबाजों ने पंजीकरण कराया है। इस लीग का आयोजन 20 नवंबर से दो दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा। इसके लिए भारत, कजाकिस्तान, रूस, ईरान, हंगरी, क्रोएशिया, अजरबैजान, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेनेडा, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, सर्बिया, अमेरिका, स्पेन, थाईलैंड, जर्मनी, चेक गणराज्य, नॉर्वे, सैन मैरिनो और रोमानिया के 400 से अधिक एथलीट पंजीकरण करा चुके हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही है। पंजीकरण प्रक्रिया जुलाई 2025 के मध्य तक चलेगी। लीग में (10 मीटर, 25 मीटर) पिस्टल, (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजीशन) राइफल और (ट्रैप और स्कीट) शॉटगन में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी। प्रतियोगिता में कम से कम छह टीमें भाग लेंगी, जिन्हें लीग चरण के दौरान दो पूल में विभाजित किया जाएगा। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने भारी संख्या में पंजीकरण पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमें मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और पंजीकरण की संख्या से हम वाकई बहुत खुश हैं।

सार समाचार

शराब पीकर वाहन चलाना चालक को पड़ा मंहगा, न्यायालय ने किया जुर्माना

आष्टा, देशबन्धु। पुलिस ने शराब के नशे में कार क्रमसंक एमपी 13 जेडपी 7939 को चलाते हुए आरोपी को पुलिस ने पकड़ा था। पुलिस ने बताया किया पाये जाने पर कार चालक सुधीर मेवाडा पिता रतन सिह मेवाडा उम्र 36 साल निवासी खेमपुर गुलरिया के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कार को जप्त कर प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में आरोपी को पेश किया था, जिस पर से न्यायाधीश ने कार चालक सुधीर मेवाडा पर 10500/- रूपए का जुर्माना किया गया। पुलिस की नागरिकों से अपील है कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन न करे एवं यातायात नियमों को पालन करे। विशेष भूमिका टीआई गिरीश दुबे, उपनिरीक्षक अविनाश भोपले, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र मालवीय, आरक्षक होविन्द यादव सहित अन्य पुलिस जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मांग पत्र सौंपे, नागरिक अभिनंदन के लिए सिरोंज आने किया आमंत्रित

सिरोंज-लटेरी के समग्र विकास को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ विधायक ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

सिरोंज, देशबन्धु। सिरोंज को जिला बनाए जाने, रेलवे लाइन की मांग तथा सिरोंज लटेरी को एनसीआर में शामिल किए जाने सहित सिरोंज लटेरी विधानसभा के जनकल्याणकारी विकास की योजनाओं को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के दल ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भेंट की।

इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के समग्र जनकल्याणकारी विकास को लेकर एक दर्जन मांगों के पत्र सौंपे तथा विरासत से विकास की संकल्पना को पूर्ण कर रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव के नागरिक सम्मान के लिए आगामी समय में नगर सिरोंज के लिए आमंत्रित भी किया।

बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर विधायक उमाकांत शर्मा के साथ पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं मंडल अध्यक्षों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात करते हुए जनभावनाओं के अनुरूप सिरोंज लटेरी की वर्षों पुरानी जिला बनाने की मांग पूर्ण करने का अनुरोध करते हुए पुनः मांग पत्र सौंपा। इसके अलावा उन्होंने गुना भोपाल तथा बीना ब्यावरा रेल लाइन का सर्वे करवाकर स्वीकृति करवाने तथा राजधानी परियोजना में जुड़ रहे आसपास के क्षेत्र के साथ सिरोंज लटेरी को जुड़वाने, सिरोंज में पशु चिकित्सा महाविद्यालय, सिरोंज नगर में धार्मिक सामाजिक आयोजनों के लिए स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति सत्संग भवन, आनंदपुर में पूर्व की शासकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा को पूर्ण करवाने, आनंदपुर पथरिया को तहसील का दर्जा प्रदान करने के साथ सिरोंज लटेरी की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की स्वीकृति करने के लिए भी मांग पत्र सौंपते हुए निवेदन किया।

इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री से निकट समय में नागरिक अभिनंदन एवं सम्मान कार्यक्रम के लिए सिरोंज आने का आग्रह भी किया। इसके पूर्व मुलाकात के दौरान सभी संस्थाओं एवं मंडल के अध्यक्षों ने शाल पटका स्मृति चिन्ह एवं माला पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत सम्मान किया।

इस दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी,जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव,सिरोंज नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, लटेरी जनपद अध्यक्ष सीमा बृजमोहन कलावत, लटेरी नपाध्यक्ष शैलेश अत्तू भंडारी, उपाध्यक्ष शिवचरण प्रजापति,जनभागीदारी अध्यक्ष सिरोंज शिवकुमार भार्गव, लटेरी अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, देवपुर मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी,चितावर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत,आनंदपुर मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, लटेरी मंडल अध्यक्ष राम गुलाम राजौरिया,सिरोंज मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह, वरिष्ठ भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव,श्याम चतुर्वेदी,मीडिया प्रभारी सचिन शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने विधायक गोपालसिंह से की भूफोड़ से पेलिया खाल तक मुरमीकरण कराने की मांग

आष्टा, देशबन्धु। ग्राम भूफोड़ के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में विधायक कार्यालय में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में पहुच कर अपने ग्राम भूफोड़ से लेकर पेलिया खाल तक का खराब हो चुका रोड पर मुरमिकरण करने की मांग की । ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग से करीब 200 किसान अपने खेतों पर, घरों को, बच्चे स्कूल जाते आते है, बारिश हो जाने से बहुत परेशानी आ रही है । इस समस्या का तत्काल निराकरण कराया जाये । समस्या के निदान हेतु तत्काल विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनपद सीईओ को समस्या के निराकरण के निर्देश दिये । वही जनसुनवाई में वेयर हाउस एवं आपूर्ति निगम के हम्मालों ने जनसुनवाई में पहुच कर बताया कि वे यह 20 साल से हम्माली कर रहे है, अब उन्हें यहां के अधिकारी महेश जायसवाल ने हम सभी को हम्माली कार्य पर से बन्द कर दिया है । अब हमारे सामने घर चलाने बच्चों को पालने, पढ़ाने की समस्या खड़ी है । हमे पुनः कार्य पर रखवाया जाये। हम्मालों की समस्या को सुनने, हल करने के लिए विधायक ने एसडीएम को निर्देश दिये है। स्मरण रहे प्रत्येक बुधवार को विधायक अपने कार्यालय में सुबह 10 बजे से जनता की समस्याओं को सुनने, उन्हें हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये । बड़ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचें एवं अपनी अपनी पीड़ा से विधायक को अवगत कराया । जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा की आपका जन सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को हल करना मेरा धर्म है। सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये। नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा। रोजगार प्रदाय कराने, स्थानांतरण के उपरांत जोइनिंग नही देने, विधुत पोल एवं सड़क निर्माण कराने, कृषि भूमि का सीमांकन कराने, स्वेच्छा से करवाये गए स्थानांतरण को निरस्त कराने, शासकीय कर्मचारियों की शिकायत कर अन्यत्र स्थानांतरण कराने, पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश दिलाने, आर्थिक सहायता दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

फुलवारी में सेमिनार और मुशायरे का आयोजन

सिरोंज, देशबन्धु। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा फुलवारी के अंतर्गत सेमिनार एवं अखिल भरतीय मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल साहित्य पर मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी का ये सेमिनार मात्र औपचारिक गतिविधि नहीं, बल्कि बच्चों में साहित्य की रोशनी आम करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। क्यूंकि बच्चे ही वो बुनियाद हैं जिन पर एक सभ्य और शिष्ट समाज का निर्माण होता है। अकादमी इस ज़िम्मेदारी को भी मेहसूस करती है और इस पर अमल करने का भी सदैव प्रयास करती है। आज का कार्यक्रम बाल साहित्य के रचनात्मक, शैक्षणिक एवं सामाजिक आयामों पर चिंतन मनन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करता है।

डॉ नुसरत मेहदी के उद्बोधन के बाद बाल साहित्य पर आधारित सेमिनार आयोजित हुआ जिसमें प्रख्यात साहित्यकार एवं शायर डॉ. सैफ़ी सिरोंजी, डॉ. उरूज अहमद, डॉ. अयाज़ असलम एवं स्तुति अग्रवाल उर्दू में बाल साहित्य विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किये। डॉ सैफ़ी सिरोंजी ने बाल पत्रिकाओं के बारे बात करते हुए कहा कि बच्चों की परवरिश में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका बच्चों की पत्रिकाएँ ही निभाती हैं। डॉ उरूज अहमद ने कहा कि बच्चे अपने घर, समाज क़ौम ही नहीं बल्कि पूरे देश का सरमाया होते हैं, जिनकी हिफ़ाज़त, तरबियत और बेहतरीन परवरिश हर शहरी की ज़िम्मेदारी है। डॉ अयाज़ असलम ने बाल साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसे जैसे दुनिया ने तरक़्क़ी की, बच्चों की ज़रूरतें और उनकी रुचियाँ भी बदल गई हैं, उनके सामने नई नई चुनौतियाँ हैं। इसलिए अब हमारी ज़िम्मेदारी और बढ़ जाती है कि अपने बच्चों की शिक्षा और परवरिश के लिए बाल साहित्य को और अधिक प्रभावी बनाएँ, ताकि यह वर्तमान समय की माँगों को पूरा कर सके।

स्तुति अग्रवाल ने पंचतंत्र कहानियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंचतंत्र की इन कहानियों का महत्व 2000 साल पहले जितना था, शायद आज उससे भी अधिक है। वर्तमान समय में, जब वीडियो गेम्स और सोशल मीडिया ने बच्चों से उनका बचपन छीन लिया है, कार्टून और सुपरहीरो की फिल्में उन्हें आकर्षित कर रही हैं, ऐसे हालात में लोक कथाओं को डिजिटल प्रारूप, जैसे ऑडियो और एनिमेशन में प्रस्तुत किया जा सकता है। पॉडकास्ट और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर रोचक अंदाज में कहानी कहने को बढ़ावा दिया जा सकता है। सेमिनार के बाद दूसरे सत्र में अखिल भारतीय मुशायरा आयोजित हुआ जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायरों ने अपना कलाम पेश किया। मुशायरे की अध्यक्षता उस्ताद शायर डॉ शान फ़ख़री ने की एवं मुशायरे का सफल संचालन अल्तमश अब्बास द्वारा किया गया। जिन शायरों ने कलाम पेश किया उनमें डॉ. शान फ़ख़री, नईम अख़्तर ख़ादमी, डॉ सलमा शाहीन दिल्ली, नदीम शाद देवबंदश अल्तमश अब्बास रुड़की, सोनरूपा विशाल बदायूं, डॉ. नफ़ीस तक़ी इस्माईल साहिल, हिमांशी बाबरा, मुरारी मंडल सीतामढ़ी ,आसिफ़ सिरोंजी, इलयास रज़ा, असद हाश्मी आदि शामिल है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था आपातकाल : मेवाड़ा

आष्टा, देशबन्धु। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह अध्याय है, जो आज भी हमें चेतावनी देता है कि सत्ता जब निरंकुश होती है तो नागरिक अधिकारों और संविधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता कैसे खतरे में पड़ सकती है। आज जब उस निर्णय को 50 वर्ष होने को है, हमें न केवल उस दौर की घटनाओं को याद करना चाहिए, बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि हमने उस संकट से क्या सीखा है। इस आशय के विचार नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने आपातकाल लगाये जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर नपा के सभाकक्ष में आयोजित संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने यह भी कहा कि आपातकाल के दौरान देशभर में चुनाव स्थगित हो गए थे। आपातकाल की घोषणा के साथ हर नागरिक के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, लोगों के पास न तो अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार था, न ही जीवन का अधिकार। श्री मेवाड़ा ने कहा कि इंदिरा गांधी सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम देश में कई ऐतिहासिक घटनाओं की वजह बना। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद समय था। आपातकाल 25 जून 1975 को घोषित होने के बाद 21 मार्च 1977 तक लगभग 21 महीने तक भारत में लागू रहा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था आपातकाल तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार को जनता ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए सरकार को पटखनी देते हुए जनता पार्टी की सरकार बनाई और भारत में लोकतंत्र केवल संविधान की किताब में नही, बल्कि लोगों की चेतना में बसता है। इस तरह एक सत्ता की बौखलाहट को समाप्त हुई और जनता की जीत हुई। देश में उपजी आपातकाल जैसी गंभीर घटना की स्टोरी को टीवी स्क्रीन के माध्यम से सभाकक्ष में उपस्थितजनों ने दिखाया भी गया।

इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, पार्षदगण कमलेश जैन, डॉ. सलीम खान, उपयंत्री पी.के. साहू, अनिल धुर्वे, मनीष श्रीवास्तव, गबू सोनी, नारायणसिंह मालवीय, मोहम्मद इसरार, सिटी मिशन मैनेजर महेन्द्र पोसवाल, पार्वती शर्मा, आदित्य तलनीकर, संजय शर्मा, सर्वेश भट्नागर, शिवराज अहिरवार, कृष्णमोहन जोशी, प्रमोद श्रीवास्तव, कैलाश घेंघट, अर्जुन घेंघट, बनवारीलाल पवांर, राकेश विश्वकर्मा, रोहित कालेलकर, रोहित सोनी, समर अली, आकाश मेवाड़ा, अरूण विश्वकर्मा, नेहा मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारीगण मौजूद थे।

लगातार दूसरे दिन भी हुई झमाझम बारिश, किसानों के चेहरे खिले

आष्टा, देशबन्धु। लगातार बुधवार को दूसरे दिन भी नगर सहित क्षेत्र में झमाझम दो घंटे से भी अधिक समय तक बारिश होने के चलते चारों और पानी ही पानी हो गया। निचली बस्तियों में दो दो फीट पानी भर चुका है, वहीं नगर की सड़कों पर अधिक बारिश होने के चलते तेज गति पानी बहने लगा, जिसके कारण सड़क पर खड़ी मोटर सायकलें बहने लगी। लोगों ने पकडा यह नजारा बारिश में बुधवारा रोड पर देखने को मिला। उक्त मार्ग पर नगर के कई मोहल्लों का पानी आता है, जिस कारण पारख मेडिकल से लेकर राम मंदिर तक एक फीट से लेकर तीन फीट तक पानी भरा हुआ था। यही नहीं उक्त पानी लोगों के घरों और दुकानों को छू रहा था। यह समस्या बुधवारा वासियों के लिए कोई नई नहीं है। अभी तो पहली बारिश है चार माह में ऐसे नजारे कई बार देखने को मिलेगा। बुधवारे के अलावा भी अस्पताल चौराहा, पुराना बसस्टेंड, कसाईपुरा चौराहा, जीन वाली दरगाह, पीएम आवास कालोनी और भी नगर में ऐसे कई ऐसे स्थान हैं जहां पर बारिश होने के कारण पानी भर जाता है और राहगीर से लेकर रहवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना प?ता है। लगातार दो दिन से हो रही बारिश के कारण किसानों के चहरे खिल गए और फसल कुछ स्थानों पर लहराने लगी है।

वह किसान चिन्तित है जिन्होने अभी बौवनी नहीं करी है। बताया जाता है कि अभी भी कुछ स्थानो पर बोवनी नहीं हुई है। पानी अधिक गिरने के कारण खेतों में पानी भर गया, अब वह किसान खेत को बो भी नहीं सकते जब तक कि दो तीन दिन बारिश नहीं थमें। आज भी बारिश के कारण नदी नालों में पानी बढ़ चुका है और तेजी से पानी बहने लगा है। नगर में हुई तेज बारिश से बोर, कुए में भी जलस्तर बढ़ने लगा है।

मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया से बचने जागरूक कर रही डॉक्टर की टीम

आष्टा, देशबन्धु। मलेरिया माह के अंतर्गत मलेरिया डेंगू चिकनगुनिया जीका जैसी मच्छर जनितबीमारियों से बचाव हेतु जिले से मलेरिया रथ आष्टा पहुंचने पर ब्लॉक खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित गणेश माथुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रथ को आष्टा के विभिन्न क्षेत्र हेतु रवाना किया। इस रथ में ऑडियो वीडियो पंपलेट पोस्टर के माध्यम से यह रथ गांव-गांव में संदेश देगा की 7 दिन से ज्यादा पानी भरकर ना रखें पानी हमेशा ढक कर रखें कूलर फ्रिज का पानी खाली कर लिया करें घरों पर टायर ना रखें डस्टबिन डिब्बे फालतू मटके आदि को हटा दें मच्छरदानी का उपयोग करें शाम के समय नीम का धुआं करें कहीं पर ज्यादा पानी भरा हो तो उसमें तेल वॉल डालें पानी की टंकीयो में लार्वा दिखाने पर मीठा तेल डाल दे घरों के आसपास गढों में जला हुआ तेल डालें आदि जन जागरूकता अभियान के तहत जन जन तक गांव-गांव तक यह संदेश पहुंचा जा रहा है रथ के शुभारंभ के अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अमित गणेश माथुर, अवधेश सिंह, बीपीएम तरुण राठौर, बीसीएम मोहन श्रीवास्तव, बी ई ई भोपाल सिंह परमार, मलेरिया इंस्पेक्टर लाखन सिंह परमार, मेहरबान सिंह, भगवान सिंह, यशवंत सिंह आदि के द्वारा रथ को भ्रमण हेतु भेजा गया।

आचार्य संघ की भोपाल नाके पर अगवानी

धरती पर जैन संस्कृति का बहुत महत्व है : आचार्य मुनिराज

आष्टा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश की धरती पर जैन संस्कृति और जैन लोग अधिक है। जैन धर्म और णमोकार महामंत्र का बहुत महत्व है। आष्टा भी इंदौर - भोपाल के बीच मे सबकी आस्था को मजबूत बनाये रखा है। सम्राट चन्द्रगुप्त जो राजाओं का राजा होकर सम्राट की उपाधि से विभूषित थे और उन्होंने भद्रबाहु स्वामी के चरणों मे अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

उज्जैन अर्थात उत्कृष्ठ जैन नाम भी उल्लेखित होता है, प्राचीन नगरी है उज्जैन। चातुर्मास का समय नजदीक आ रहा है, हम साधु -संतों को भी चार माह तक एक स्थान पर रहकर धर्म-ध्यान करना होता हैं ।जीवो की विराधना से बचना होता है। अहिंसा धर्म का पालन करना ही हमारे मूलगुणों में प्रथम गुण होता हैं ,यही जिन आज्ञा है जिसे हम मूल रूप से पालन करते है। उक्त बातें आचार्य आर्जव सागर मुनिराज ने पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पर आशीष वचन देते हुए कही। आपने कहां मध्यप्रदेश का बड़ा सौभाग्य है यहां जैनों की संख्या बहुत अच्छी है, गुरुओं का आना-जाना लगा रहता है। आष्टा में प्राचीन अष्टप्राहरी प्रतिमाएं हैं। बहुत अच्छा क्षेत्र है, अतिशयकारी प्रतिमाएं हैं। कर्म शत्रुओं को हराने वाले अरिहंत है। कर्म शत्रुओं को जीत चुके हैं ।इस संसार में अब जन्म नहीं होगा वह अरिहंत है। आचार्य आर्जव सागर ने कहा सिद्ध आठों कर्मों को क्षय कर चुके हैं। जैन धर्म और णमोकार महामंत्र का बहुत महत्व है। साक्षात मोक्ष मार्ग प्रशस्त करता है। अंतिम केवली भद्रबाहु हुए। सम्राट अशोक के दादा भद्र बाहु थे। उपाध्याय परमेष्ठि के गुण होते हैं ।श्रुत केवली को निमित्त ज्ञान होता है।

पाठशाला के बच्चों में प्रतिभाएं छुपी हुई रहती है। लकड़ी के अंदर अग्नि में जल रहे नाग - नागिन ने णमोकार महामंत्र सुनकर आत्म शांति प्राप्त कर देवगति को प्राप्त कर लिया। णमोकार महामंत्र की महिमा देखों अपार है,जो णमोकार महामंत्र को नहीं समझते वह भी श्रद्धा करके देवगति में पहुंचे। लंदन में लोग संस्कृत पढ़ रहे हैं। सागर में एक ब्रह्मचारी है जैनों का गौरव, कौन कौन से देश में जैन ग्रंथ है उसका उल्लेख किया है। बच्चों को हमेशा णमोकार महामंत्र सुनाएं जब तक वह बोलना नहीं सीखें। मेरी भावना, भक्तांबर पाठ आदि भी सुनाएं, संस्कार बचपन में होता है,पिचपन में नहीं। छोटे बच्चों को किसी भी दिशा में ले जा सकते हो। बच्चे मिट्टी के समान है। बच्चों में अच्छी आदतें डालें। पाठशालाओं में ज्यादा असर होता है। स्कूलों में टीपन परिवर्तन होता है,यह गलत हो रहा है। बच्चे आपसे सीखते है। लौकिक शिक्षा के साथ धार्मिक शिक्षा,संस्कार भी जरूरी है। आष्टा बहुत अच्छा क्षेत्र है। बच्चों की मां प्रथम गुरु है। बच्चे प्राप्त संस्कारों को कभी नहीं भूलते हैं ।नौकर के भरोसे बच्चों को नहीं छोड़े। पहले घर से शिक्षा, फिर पाठशाला में शिक्षा और आखिरी में लौकिक शिक्षा दे। अपने सामने रखकर ही बच्चों को पढ़ाना चाहिए ।जैन धर्म की संस्कृति बढ़ाए। आजकल तो आया अर्थात नौकरानी रख लेते हैं, बच्चे भी बड़े होकर माता-पिता के पास नहीं रहते, विदेश जाकर विदेशी हो जाते हैं। आचार्य आर्जव सागर मुनिराज सहित पांच मुनियों की अगवानी समाजजनों ने भोपाल नाका पर कर एक जुलूस के रूप में नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए किला मंदिर पहुंचें। भगवान महावीर स्वामी की जयघोष और जैन मुनि देख लो त्याग करना सीख लो के नारों से नगर गूंजायमान हुआ।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

शाहपुर में सिविल कोर्ट की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिलीं विधायक

बैतूल, देशबन्धु। शाहपुर में सिविल कोर्ट शुरू कराने की मांग को लेकर क्षेत्रीय विधायक गंगा उइके ने भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव से

मुलाकात की और उन्हें पत्र सौंपकर इस गंभीर समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शाहपुर तहसील जिला बैतूल की सबसे बड़ी तहसील है, लेकिन यहां सिविल कोर्ट की सुविधा नहीं है। बीजादेही क्षेत्र सहित दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के लोगों को न्याय के लिए लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तय कर बैतूल आना पड़ता है। इससे गरीब, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और समय की भी बर्बादी होती है। विधायक ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि शाहपुर में सिविल कोर्ट की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है और इसके लिए जमीन का आवंटन भी कर दिया गया है, लेकिन अब तक कोर्ट का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इससे न्याय प्रक्रिया आमजन से दूर होती जा रही है। गंगा उइके ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि शाहपुर में जल्द से जल्द सिविल कोर्ट प्रारंभ कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे ग्रामीणों, विशेष रूप से गरीब और आदिवासी समुदाय को उनके अधिकार और न्याय समय पर मिल सके।

राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर मौन प्रदर्शन आज, रखेंगे अपनी बात

बैतूल, देशबन्धु। इंदौर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड और पीड़ित पुरुषों के समर्थन में सेव इंडियन फैमिली बैतूल(एसआईएफ बैतूल) द्वारा आज 26 जून को सांकेतिक मोमबत्ती जलाकर मौन प्रदर्शन का आयोजन कारगिल चौक पर शाम 6 बजे मोमबत्ती जलाकर किया जाएगा। संस्था के डॉ. संदीप गोहे ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि राजा रघुवंशी की आत्महत्या कोई पृथक प्रकरण नहीं है। देशभर में हजारों पुरुष पत्नी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर देने, जीवनसाथी का घर छोड़कर किसी अन्य के साथ चले जाने, झूठे दहेज, घरेलू हिंसा और यौन शोषण के प्रकरणों में फंसाए जाने यह गंभीर प्रहार है।

बारहलिंग शिवधाम में मां ताप्ती को अर्पित की जाएगी 108 मीटर चुनरी

बैतूल, देशबन्धु। जीवनदायिनी, मोक्षदायिनी, पापनाशिनी और संकटहरणी पुण्यसलिला मां सूर्यपुत्री ताप्ती जी का जन्मोत्सव इस वर्ष 2 जुलाई को मनाया जाएगा। इस अवसर पर मां सूर्यपुत्री ताप्ती जागृति समिति मध्यप्रदेश के तत्वावधान में एक दिवसीय धार्मिक आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम बारहलिंग शिवधाम में ताप्ती नदी तट पर आयोजित होगा । इस आयोजन की शुरुआत ध्वजारोहण से होगी, जिसके पश्चात मां ताप्ती जी का दुग्धाभिषेक किया जाएगा। विशेष आकर्षण के रूप में अखिल भारतीय जिन माता सेवा संघ, सूरत (गुजरात) द्वारा 108 मीटर लंबी चुनरी और सुहाग सामग्री मां ताप्ती को अर्पित की जाएगी। साथ ही, सुहागिन महिलाओं को सुहाग सामग्री और साड़ी सप्रेम भेंट की जाएगी। कार्यक्रम के आयोजन में वेदिका फर्नीचर, कालापाठा की विशेष भूमिका है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे समय पर पहुंचकर मां ताप्ती के इस पावन जन्मोत्सव में भाग लें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

का. कृष्णा मोदी की श्रद्धांजलि सभा आज

बैतूल, देशबन्धु। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, वरिष्ठ श्रमिक नेता और मजदूर आंदोलन के अग्रदूत का.कृष्णा मोदी की स्मृति में आज 26 जून को सुबह 11 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन महाराणा प्रताप नगर, पाथाखेड़ा में किया जा रहा है।

भैसदेही परिक्षेत्र कार्यालय से चोरी, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

4 महीने से गायब वन विभाग का वाहन, जांच हुई न ही सुराग मिला

भैंसदेही, देशबन्धु। दक्षिण वनमण्डल के भैंसदेही वन परिक्षेत्र कार्यालय से चार महीने पहले रहस्यमय हालात में गायब हुआ वन विभाग का सरकारी बोलेरो वाहन आज तक नहीं मिल पाया है। विभागीय सूत्रों की मानें तो यह वाहन चोरी हुआ था, लेकिन हैरानी की बात यह है कि विभागीय स्तर पर जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है, बल्कि चोरी की इस वारदात की कानों कान किसी को खबर तक नहीं लगने दी गई। सरकारी वाहन चोरी का यह मामला सीधे-सीधे वन विभाग के अधिकारियों को कटघरे में इसलिए भी खड़ा कर रहा है कि, कार्यालय परिसर में खड़ा हरे रंग का बोलेरो वाहन चोरी हो गया और अधिकारियों ने अभी तक इसकी शिकायत सम्बन्धित पुलिस थाने तक में दर्ज कराना मुनासिब नहीं समझा । शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई गई , इस सवाल पर अब अधिकारी भी बचते नजर आ रहे हैं।

सरकारी संपत्ति चोरी के इस मामले में विभाग की चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। कार्यालय परिसर में खड़ा लाखों रुपयों का वाहन चोरी चला गया बावजूद इसके इस मामले को अब तक छुपा कर क्यों रखा गया यह समझ से परे है , हद तो तब हो गई की सरकारी चोरी के इस मामले में किसी भी कर्मचारी की जिम्मेदारी तक तय नहीं कि गई । सूत्र बताते हैं कि मामले को दबाकर इसलिए रखा गया है कि, बोलेरो चोरी में विभाग के ही एक डिप्टी रेंजर और अन्य कर्मचारी पर शक की सुई घूम रही है। इन्ही कर्मचारियों को बचाने के उद्देश्य से सरकारी वाहन चोरी की शिकायत थाने में दर्ज नहीं कराई गई।

इनका कहना है

बोलेरो वाहन चोरी के मामले में समिति जांच कर रही है। पुलिस थाने में वाहन चोरी की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। जांच प्रतिवेदन आने के बाद आगे कार्यवाही की जाएगी।

दयानंद पांडेय, एसडीओ दक्षिण वन मण्डल भैंसदेही

अब तक जांच पूरी नहीं कर पाई समिति, छिपे है कई पेच

सरकारी मद से खरीदा गया हरे रंग का बोलेरो वाहन की खरीदी 2008 की बताई जा रही है। इस लिहाज से वाहन काफी पुराना बताया जा रहा है।भले ही वाहन पुराना हो चुका था लेकिन चालू हालत में था। आखिर सरकारी संपत्ति गायब होने के बाद अधिकारी हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहे। क्या उन्होंने इसकी जानकारी अपने उच्च अधिकारियों को दी थी। इस मामले की शिकायत थाने में दर्ज क्यों नहीं कराई गई इस सवाल का जवाब अधिकारी भी नहीं दे पा रहे हैं। भैंसदेही एसडीओ दयानंद पांडेय का यह कहना काफी हास्यास्पद है ।इसकी जांच करने के लिए विभागीय स्तर पर गठित समिति जांच कर रही है। समिति में 3 से 4 अधिकारियों का होना बताया जा रहा है। लेकिन, जब उनसे यह पूछा गया कि पुलिस में शिकायत क्यों नहीं कि गई , इसका गोलमोल जवाब देकर उन्होंने पल्ला झाड़ने की कोशिश की, सरकारी संपत्ति के इस नुकसान को वन अधिकारी और जांच समिति कितने हल्के में ले रहे हैं , इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि, जांच समिति खुद भी चार महीने बीत जाने के बावजूद कोई खास नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। अधिकारियों का सिर्फ इतना कहना है कि मामले की जांच चल रही है।

26 डिसमिल जमीन कहां गई, बुजुर्ग किसान 3 साल से है परेशान

बैतूल, देशबन्धु। कंपनी गार्डन के एक बुजुर्ग किसान तीन साल से अपनी ही जमीन के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। सीमांकन के बावजूद पूरा रकबा न मिलने और नक्शे में गड़बड़ी की शिकायत लेकर जनसुनवाई में पहुंचे बुजुर्ग ने पटवारी और बिल्डर पर साजिशन जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया है। शिकायत आवेदन पर गौर करें तो 40 डिसमिल में से अब तक सिर्फ 20 डिसमिल दी गई, बाकी की तलाश में बुजुर्ग न्याय की आस में भटक रहा है।

कपनी गार्डन, आर्य वार्ड निवासी बुजुर्ग आबिद अली ने बताया कि उनकी कृषि भूमि ग्राम बाटामा में स्थित है, जिसका खसरा नंबर 77/1 है और रकबा 0.881 हेक्टेयर है। लेकिन सीमांकन के बाद भी उन्हें पूरा रकबा नहीं दिया गया, नक्शे में हेराफेरी की गई और नामांतरण नहीं किया गया। इस भूमि पर छोटे-छोटे भूखंड काटकर प्लॉटिंग कर दी गई है, और शेष भूमि में काम जारी है। इसके पीछे पटवारी और बिल्डरों की गहरी सांठगांठ बताई जा रही है। जनसुनवाई में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि धारा 115 के अंतर्गत नक्शे को दुरुस्त किया जा सकता था लेकिन पटवारी की मिलीभगत से सुधार नहीं किया गया। जिन लोगों पर मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं उनमें पंकज पिता साहेबराव, हेमराज मीश्रीलाल, और राजेश वागद्रे का नाम भी शामिल है।

आबिद अली ने अधिकारियों से गुहार लगाई कि तीन वर्षों से वे अपनी जमीन के लिए दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा जब तक पटवारी और बिल्डरों की मिलीभगत चलती रहेगी तब तक न सही सीमांकन होगा, न ही किसान को उसका हक मिलेगा।

पक्के मकान वाले गरीबों के खिलाफ अब उतरेंगे सड़क पर

- योजना में गड़बड़ियों पर कार्रवाई न होने से नाराज किसान देंगे धरना

बैतूल, देशबन्धु। यकीन मानिये सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वालों में पात्र से ज्यादा अपात्र नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताओं को लेकर आमला क्षेत्र के नागरिकों और किसान संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल दिया है। समिति के अध्यक्ष दिनेश यदुवंशी ने बताया कि पूर्व में इस योजना से जुड़ी शिकायतें एसडीएम आमला को ज्ञापन के माध्यम से दी गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसी के विरोध में किसान संघर्ष समिति 27 जून को एसडीएम कार्यालय आमला के समक्ष धरना प्रदर्शन करेगी।

आवास योजना के प्रभारी लगाए आरोप

समिति का आरोप है कि आवास योजना के प्रभारी ने अपने पद का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। हितग्राहियों के खातों में राशि का भुगतान अनियमित रूप से किया गया, वहीं कुछ मामलों में अपात्र लोगों को भी लाभ दे दिया गया है। पक्के मकान वालों को भी लाभ दिया गया, जबकि वास्तव में जरूरतमंद गरीब लोग योजना से वंचित रह गए हैं। आरोप यह भी लगाया गया है कि राशि का दुरुपयोग हुआ है और योजना की निगरानी में गंभीर कमी रही है, जिससे अधिकारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है। हितग्राहियों के हितों की भी अनदेखी की गई है, जिससे गरीब वर्ग को नुकसान हुआ है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जांच नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन और शासन की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर बैतूल, थाना प्रभारी आमला और जिला पंचायत सीईओ को भी भेजी गई है।

आमला में भोपाल एम्स की टीम करेगी स्वास्थ्य परीक्षण

आमला, देशबन्धु। सिकल सेल एनीमिया जैसे गंभीर रक्त रोग से बचाव और जागरूकता के उद्देश्य से 28 जून को आमला में विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन प्रातः 11 बजे से पैराडाइज स्कूल बंधा रोड आमला में होगा। शिविर में सिकल सेल की निःशुल्क स्क्रीनिंग एम्स हॉस्पिटल भोपाल की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा की जाएगी। साथ ही जनजागरूकता पर वक्तव्य भी दिए जाएंगे जिसमें आमजन को बताया जाएगा कि सिकल सेल बीमारी माता-पिता की अनभिज्ञता के कारण बच्चों में आ जाती है, लेकिन यदि विवाह पूर्व जन्मकुंडली के साथ रक्तकुंडली का भी मिलान किया जाए तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले संस्थाओं को रक्त क्रांति सम्मान 2025 से नवाजा जाएगा। आयोजन में रंगोली व पेंटिंग के माध्यम से स्कूली बच्चे रक्तदान के महत्व को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करेंगे। शिविर का आयोजन थैलेसीमिया जनजागरण समिति, मां शारदा सहायता समिति, जनसेवा कल्याण समिति, बचपन प्ले स्कूल, पैराडाइज स्कूल, उड़ान ग्रुप आमला, इंडियन पब्लिक स्कूल, साईं आराधना आईटीआई आमला, सहयोग फाउंडेशन आमला, संत निरंकारी ग्रुप आमला, करनी सेना परिवार आमला, सूर्यवंशी ढोलेवार कुनबी समाज आमला, युवा मैत्रेय समिति आमला, पंजाब सेवा समिति आमला, अधिवक्ता संघ आमला, अखिल विश्व गायत्री परिवार अन्य होंगे।

कढ़ाई गांव से जमुनापरी नस्ल की चार बकरियां हो गई चोरी

बैतूल। ग्राम कढ़ाई निवासी असलम कुरैशी ने उनकी बकरियां चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है। असलम ने बताया कि 23 जून की रात उनके बाड़े से चार जमुनापरी नस्ल की बकरियां चोरी हो गईं। उन्होंने बताया कि इन बकरियों की कुल कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए है। असलम कुरैशी ने बताया चोरी की इस घटना के बाद तुरंत उन्होंने सोनाघाटी पुलिस चौकी जाकर इसकी जानकारी दी, अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। चोरों को पकड़कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आहुजा ने जन्मदिन पर भोजन शाला, रोटी सेवा केंद्र व दिव्यांगों को दी सेवा

बैतूल, देशबन्धु। जिले के प्रमुख ऑटो मोबाइल व्यवसायी, सक्रिय समाजसेवी एवं भाजपा नेता राजेश आहूजा ने इस वर्ष भी अपना जन्मदिन नर सेवा-नारायण सेवा के ब्रम्ह वाक्य को चरितार्थ करते हुए मनाया। खुशी का दूसरा मौका रोटी बैंक योजना के 1400 दिन पूरे होना भी था जिससे आहुजा जुडे हैं। आमतौर पर जन्मदिन पर लोग पार्टी कर हजारों-लाखों रुपए खर्च करते हैं लेकिन श्री आहूजा इससे इतर अपने जन्मदिन पर जिला अस्पताल की भोजन शाला, रेलवे स्टेशन पर चलने वाले रोटी बैंक परिवार और दिव्यांगजों को भोजन कराकर सेवा की। इस अवसर पर सर्वप्रथम जिला अस्पताल की भोजन शाला में मरीजों के परिजनों के लिए दोपहर में भोजन की व्यवस्था में भागीदारी कर लगभग 120 परिजनों को भोजन कराया। 40 दिव्यांगजनों को नगर के एक रेस्टोरेंट में अपने हाथ से परोसकर भोजन कराया। इतना ही नहीं आहूजा ने अपने जन्मदिन का केक भी दिव्यांगजनों के साथ ही काटा। इस दौरान विशेष तौर पर आहूजा परिवार के सभी सदस्य, ईष्टमित्र एवं आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे सपरिवार उपस्थित रहे।

मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर 1 जुलाई को

बैतूल, देशबन्धु। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भोपाल के तत्वाधान में 1 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहरा में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक जिला स्तरीय मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया है।

स्टेट बैंक के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

अतिथियों ने आगे बढ़कर किया रक्तदान

आमला, देशबन्धु। एक व्यक्ति द्वारा दान किया हुआ रक्त तीन लोगों की जान बचाता है। रक्तदान सबसे बड़ा दान है । हम सब को रक्तदान करना चाहिए । उक्त आशय के विचार तुलसीदास जौंजारे शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक कृषि विकास शाखा आमला ने रक्तदान शिविर के शुभारंभ पर व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक बैंकिंग कार्यों के साथ साथ जनहितैषी जनकल्याणकारी कार्यों में भी अपनी सहभागिता रखता है। भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना के 70 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक देश भर में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन कर रहा है ।

इसी तारतम्य में स्टेट बैंक शाखा आमला, बोडखी एवं स्टेट बैंक एयर फोर्स शाखा आमला के संयुक्त तत्वावधान में श्री महावीर हनुमान गौशाला परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर अनिल पाटिल ए डी ई एन रेलवे आमला,हरिमोहन निरंजन थाना प्रभारी आर पी एफ आमला, प्रीति डिगरसे, डॉ प्रदीप जयंत मेडिकल ऑफिसर सिविल अस्पताल आमला उपस्थित थे ।आयोजन की उल्लेखनीय बात यह रही कि स्वयं अतिथियों ने भी रक्तदान किया अनिल कुमार पाटिल ए डी एन,हरिमोहन निरंजन थाना प्रभारी,तुलसीदास जौंजारे शाखा प्रबंधक आमला,आशाराम ब्राम्हने शाखा प्रबंधक एयर फोर्स आमला सहित अन्य अतिथियों ने भी रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

रक्तदान करने वालों को भारतीय स्टेट बैंक शाखा की ओर से सम्मानित किया गया और स्मृति स्वरूप उपहार देकर सम्मानित किया गया,इस अवसर पर गौशाला परिसर में अभी अतिथियों ने गौसेवा की और गौशाला जैसे पुनीत कार्य के लिए श्री महावीर हनुमान गौशाला परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर 26 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक शाखा आमला के शाखा प्रबंधक तुलसीदास जौंजारे, बोड़खी से दीपक चढ़ोकार, एयर फोर्स शाखा से आसाराम ब्राह्ममने उपस्थित थे इसके अलावा शाखा से अन्य स्टाफ ,रविंद्र सुरेंद्र मालवीय विनीत, सोमन्ना राहुल स्वामी महेश रूपेंद्र गोलू उपस्थित थे। वही गौशाला के मनोज वाधवा,देवेंद्र राजपूत, अनिल सोनी,राजीव मदान,बबलू मांधाता, यशवंत चढ़ोकार,मनोज विश्वकर्मा, दिलीप चौकीकर,संतोष राठौर,कृष्णा सोनी,बाला जैन, धनराज टिकारे,नितेश साहू,यश गुगनानी,राजू पवार आदि उपस्थित थे।

पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ अध्यक्ष बने चिल्हाटे, रखी बात

आदिवासी मंगल भवन में हुआ संघ का सम्मेलन

बैतूल, देशबन्धु। आदिवासी मंगल भवन गंज में मध्य प्रदेश सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ जिला शाखा बैतूल का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निवर्तमान उपसंचालक डॉ. वी.के. पटेल, नवागत उपसंचालक डॉ. सुरजीत सिंह और उपप्रांताध्यक्ष श्यामाचरण नामदेव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान संघ के जिलाध्यक्ष का निर्वाचन उपप्रांताध्यक्ष एवं निर्वाचन अधिकारी श्यामाचरण नामदेव के निर्देशन में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। निवृत्तमान जिलाध्यक्ष मन्नूलाल चिल्हाटे को एक बार फिर सर्वसम्मति से निर्विरोध जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। सहायक निर्वाचन अधिकारी सुनील मेहरा ने निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग दिया। सम्मेलन में सेवानिवृत्त सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आर.पी. यादव, डी.एस. धुर्वे, अमित जोठे, डी.के. डिगरसे, ए.आर. लोखंडे, ए.के. वाघमोडे,

आर.के. परते को शाल, श्रीफल और सूर्यपुत्री माँ ताप्ती जी की स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डॉ. वी.के. पटेल को उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर नवागत उपसंचालक डॉ. सुरजीत सिंह का संघ परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपप्रांताध्यक्ष एवं संभागीय अध्यक्ष श्यामाचरण नामदेव तथा प्रांत सदस्य सुनील कुमार मेहरा की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया को विधिवत संपन्न किया गया।

आड़ा आसन त्यागी तपस्वी गुरुदेव का 27 जून को होगा आगमन

बैतूल में होगा जैन संत शीतल राज का चातुर्मास, देशभर से पहुंचेंगे श्रद्धालु

बैतूल, देशबन्धु। जैन स्थानकवासी संघ बैतूल के तत्वावधान में 2025 का चातुर्मास इस बार एक विलक्षण तपस्वी संत के सान्निध्य में होने जा रहा है। आचार्य पूज्य 1008 हस्तीमल जी के सुशिष्य आड़ा आसन त्यागी, सेवा पूर्ति में रत, सूर्य की तापना को साधना मानने वाले, सामाजिक प्रेरणा के केंद्र और जोधपुर के नंदन, परम पूज्य गुरुदेव शीतल राज जी म.सा. का चातुर्मास बैतूल में आयोजित होगा।

गुरुदेव के पिछले चातुर्मास का आयोजन रायपुर में हुआ था, जो ऐतिहासिक रूप से यादगार रहा। उनका तप और साधना साक्षात ईश्वरीय है। वे पिछले 53 वर्षों से कभी लेटे नहीं हैं और तेज धूप में अपने शरीर को झुलसाकर तपस्या करते हैं। इन्हीं की प्रेरणा से बैतूल में जैन स्थानक भवन में विगत पांच वर्षों से प्रत्येक शनिवार को शीतल पाठशाला चलाई जा रही है, जहां बच्चों को धार्मिक ज्ञान की शिक्षा दी जाती है।

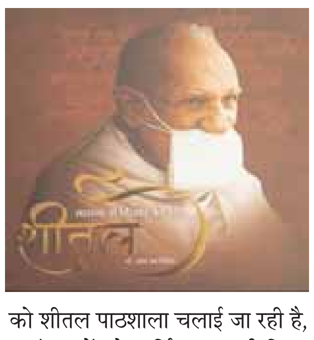

बैतूल में गुरुदेव का मंगल प्रवेश 27 जून को सुबह 8-15 बजे चक्कर रोड स्थित अलंकार लॉन से प्रारंभ होगा। विहार यात्रा थाना चौक, लल्ली चौक, कांतिलाल मेडिकल स्टोर से होकर जैन स्थानक भवन पहुंचेगी। स्थानक भवन में गुरुदेव का प्रथम व्याख्यान भी उसी दिन होगा।

मंगल प्रवेश से पूर्व नवकारसी की विशेष व्यवस्था अरुण गोठी और योगेश पार्श्व गोठी की ओर से अलंकार लॉन में की गई है। इस मौके पर राजस्थान के जोधपुर, जयपुर, कोटा, सवाई माधोपुर सहित मध्यप्रदेश के इंदौर, उज्जैन, धार, शाजापुर, शुजालपुर, बालाघाट, बरेछा और महाराष्ट्र के नागपुर, पारसिवनी, आमगांव, छत्तीसगढ़ के रायपुर, दुर्ग से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं बैतूल पहुंचेंगे।श्रावकों से धोती-दुपट्टा और श्राविकाओं से पारंपरिक लहरिया साड़ी पहनकर मंगल प्रवेश में शामिल होने का विशेष आग्रह जैन समाज द्वारा किया गया है। बैतूल में पहली बार इतने बड़े स्तर पर तपस्वी संत का चातुर्मास हो रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

साप्ताहिक बाजार में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, व्यापारी बने हुए हैं मौन

- बाजार में बेहतरीन व्यवस्था हो सके इस सोच के साथ चुनाव भी करवाया किंतु सब बेकार

सारनी, देशबन्धु। नगर पालिका परिषद सारनी के अंतर्गत तीन साप्ताहिक बाजार संचालित होते हैं । शनिवार पाथाखेड़ा, रविवार सारनी और बुधवार को काली माई बाजार संचालित होता है।

काली माई बाजार में वसूली करने का कार्य नगर पालिका परिषद सारनी के माध्यम से किया जाता है लेकिन साप्ताहिक बाजार काली माई में जो मूलभूत सुविधा है, वह ना के बराबर है। साप्ताहिक बाजार में ना तो चबूतरे का निर्माण किया गया ना ही स्टेट लाइट है और बारिश क्या समय होने की वजह से बाजार में कीचड़ के रूप में मार्ग परिवर्तित हो जाता है, लेकिन यहां की व्यवस्था देखने में नगर पालिका का राजस्व विभाग विफल साबित होता दिखाई दे रहा है।साप्ताहिक बाजारों में बेहतरीन व्यवस्था हो सके, इसे ध्यान में रखते हुए साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाने वाले व्यापारियों के माध्यम से खुदरा व्यापारी संघ का चुनाव करवाया था। जिसमें दीपक सोनेकर को अध्यक्ष चुना गया ।लेकिन अध्यक्ष बनने के बाद तीनों साप्ताहिक बाजार में बेहतर व्यवस्था स्थापित करने में खुदरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष पूर्ण रूप से विफल साबित हुए,ऐसी स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि खुदरा व्यापारी संघ का राजनीतिक लाभ उठाने के उद्देश्य से इस चुनाव को प्रतिष्ठा का चुनाव बनाकर अपने पक्ष में करने का कार्य किया गया । तीनों साप्ताहिक बाजार में ना तो सुलभ शौचालय की व्यवस्था है ना स्टेट लाइट की व्यवस्था है ना सड़कों की स्थिति बेहतर है इन स्थितियों को लेकर खुदरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष के माध्यम से नगर पालिका के खिलाफ पिछले 3 वर्षों में एक भी जबरदस्त आंदोलन नहीं किया गया इस वजह से कुल मिलाकर यह पूरा स्टैंड राजनीतिक दिखाई दे रहा है। राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से ही दीपक सोनेकर के माध्यम से अध्यक्ष का चुनाव जीत गया लेकिन व्यापारियों को साप्ताहिक बाजार में मूलभूत सुविधा का लाभ नहीं मिल पाया है।

इंदौर में आयोजित संगोष्ठी में मुख्यमंत्री ने कहा-

आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी

भोपाल, देशबन्धु। देश में आपातकाल लागू होने की 50 वीं वर्षगांठ को बुधवार को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आपातकाल विभीषिका विषय पर संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रुप में कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया। आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान था। उन्होंने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को जिन लोगों ने देश में आपात काल लागू किया था, वे ही इस कलंक

के लिए जिम्मेदार हैं और वे कभी भी इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते हैं। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, सांसद शंकर लालवानी, विधायक अजय विश्नोई, महेंद्र हार्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ी। उस दौर में हजारों निरपराध लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया। आपातकाल में लोगों पर बेइंतहा अत्याचार किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के योगदान का स्मरण भी किया।

राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश की आजादी की दूसरी लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान किसी की भी संपत्ति जप्त की जा सकती थी। आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया था तथा संसद की बैठक के लिए कोरम की व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। राज्यसभा सांसद श्री त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय-पालिका के साथ साथ मीडिया पर भी नियंत्रण लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि देश में वास्तविक लोकतंत्र आपातकाल की समाप्ति के बाद ही लागू हुआ है।

लोकतंत्र सेनानियों का मुख्यमंत्री निवास में आज होगा सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किदेश में लोकतंत्र की रक्षा में अनेक सेनानियों ने योगदान दिया है। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए राष्ट्रभक्त कारावास गए और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री निवास भोपाल में गुरुवार 26 जून को लोकतंत्र सेनानियों के स्वागत का सौभाग्य मिल रहा है। पूर्वान्ह ग्यारह बजे से प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन हो रहा है। इस कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो गई हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री निवास में लोकतंत्र सेनानियों के आगमन पर उनके स्वागत, देश भक्ति के गीत संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुति और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश के परिपालन में बुधवार 25 जून से कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं, जो 25 जून 2026 तक चलेंगे। प्रदेश में 25 जून को इंदौर में विशेष कार्यक्रम के बाद भोपाल में 26 जून को प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल को लोकतांत्रिक इतिहास का काला दौर मानते हुए संविधान हत्या दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 11 जुलाई 2024 को अधिसूचना भी जारी की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 25 जून 2025 से 25 जून 2026 तक संविधान हत्या दिवस कार्यक्रमों के अंतर्गत विविध गतिविधियों के संचालन के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के सभी संभागायुक्त और कलेक्टर अपने कार्यक्षेत्र में मशाल यात्राओं के आगमन पर प्रदर्शनी और फिल्म प्रदर्शन के कार्यक्रम करवाएंगे।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने की समीक्षा

उन्नत कृषि से किसानों को अधिक मुनाफा

भोपाल, देशबन्धु। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल ने कहा है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकें अपनाने, फसलों के विविधीकरण तथा खेती के साथ पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन आदि गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसानों के खेत पर जाकर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री वर्णवाल ने बुधवार को नर्मदा भवन में रबी वर्ष 2024-25 की समीक्षा और खरीफ 2025 की तैयारियों संबंधी भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग की संयुक्त बैठक ली। बैठक में प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण अनुपम राजन, प्रमुख सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास डी.पी.आहूजा, सचिव कृषि एम.सेलवेन्द्रन, सचिव पशुपालन एवं डेयरी डॉ. सत्येन्द्र सिंह, संभागायुक्त भोपाल संजीव सिंह, संभागायुक्त नर्मदापुरम कृष्णगोपाल तिवारी आदि उपस्थित थे।

श्री वर्णबाल ने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि सभी जिले दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिये नये मिल्क रूट बनाएं। पशुओं की नस्ल सुधार के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करें। पशुपालन एवं डेयरी सचिव डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि भारत में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है। देश का 09 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन मध्य प्रदेश (21.32 मिलियन टन) करता है। इसे बढ़ाकर 50 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है।

आपातकाल दिवस पर संगोष्ठी को केन्द्रीय मंत्री ने किया संबोधित, कहा-

आपातकाल में सच्चाई को गांव-गांव पहुंचाकर मोदी ने जनता को किया था जागृत

भोपाल, देशबन्धु। देश आजाद होने के बाद लोकतंत्र का राज था। लोकशाही शासन था, लेकिन कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार राजशाही में राज करना चाहता था, इसलिए लोकतंत्र का गला घोटकर आपातकाल लगाया था। कांग्रेस देश की जनता के साथ विश्वासघात करने वाली राजनीतिक पार्टी है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को आपातकाल दिवस पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। श्री पाटिल ने कहा कि संविधान का गला घोटने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता संविधान की प्रति हाथ में लेकर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल में भूमिगत होकर कांग्रेस की सच्चाई को गांव-गांव पहुंचाकर जनता को जागृत किया था। आज देश की जनता कांग्रेस पर भरोसा करना बंद कर चुकी है। श्री पाटिल ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना में धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़कर अपनी मंशा देश पर थोपने का कार्य किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आपातकाल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था।

कांग्रेस ने नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता में वर्चस्व बनाएं रखने के लिए आपातकाल लगाया था। लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों से देश को वास्तविक आजादी मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत माता के गौरव को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

इस दौरान मीसाबंदियों का सम्मान भी किया गया। केन्द्रीय मंत्री पाटिल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत प्रदेश कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया एवं आपातकाल दिवस पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। कार्यक्रम को लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश संयोजक तपन भौमिक ने संबोधित कर आपातकाल से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाए। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, श्रीमती कृष्णा गौर, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व मंत्री व विधायक संजय पाठक मौजूद थे।

आयुक्त महिला बाल विकास ने दिए निर्देश

मक्खी, मच्छर से बचाव और स्वच्छ पेयजल का करें उपयोग

भोपाल, देशबन्धु। स्व-सहायता समूह वर्षाकाल में भोजन की स्वच्छता बनाए रखें और मक्खी, मच्छर से बचाव और स्वच्छ पेयजल का उपयोग करें। पहुंचविहीन क्षेत्रों की आंगनबाड़ियों में टेकहोम राशन की निरंतर आपूर्ति के लिए संयंत्रों से समन्वय बनाएं। यह निर्देश आज आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया वली कुरैशी ने दिए। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वर्षाकाल के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों की पहुंच बाधित हो सकती है, वहीं जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में समय रहते सतर्कता और समन्वय बेहद आवश्यक है। श्रीमती कुरैशी ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से हम प्रदेश के सबसे संवेदनशील वर्ग, छोटे बच्चे और महिलाओं तक पहुंचते हैं। वर्षा ऋतु में हमारी सजगता और तैयारी ही उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी होगी। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के त्वारित इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले से समन्वय कर हर परिवार को नजदीकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता और एएनएम के सम्पर्क नंबर उपलब्ध कराये जाएंगे। इन नंबरों को ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के बाहर लिखे जाने के निर्देश दिये गये हैं। सभी केन्द्रों पर ओआरएस, जिंक, आयरन टेबलेट एवं प्राथमिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं के सहयोग से सभी परिवारों में ओआरएस के पैकेट तथा जिंग गोलियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जायेगी।

श्रीमती कुरैशी ने गृहभेंट में प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल, शौचालय का उपयोग करने, घर एवं घर के आसपास स्वच्छता रखने की सलाह और समझाईश देने के निर्देश दिये हैं। स्वास्थ्य एवं आशा कार्यकर्ता के सहयोग से क्षेत्र के सभी खुले जल स्रोतों में क्लोरिन के उपयोग से जल को पीने योग्य बनाने, हेण्डपम्प की जांच कराने और जल शुद्धि के लिए क्लोरिन टेबलेट वितरित करने की व्यवस्था की जाएगी।

पलामू के मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टरों ने किया प्रदर्शन

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू स्थित मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों ने प्रिंसिपल और प्रबंधन पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक अस्पताल अधीक्षक के कार्यालय को घेरे रखा। इस दौरान अस्पताल की ओपीडी सेवाएं भी ठप करा दी गईं। जूनियर डॉक्टर कॉलेज प्रबंधन की ओर से अनुशासनहीनता के आरोप में दो छात्रों को सस्पेंड करने और उन पर जुर्माना लगाने का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि छात्र जब कॉलेज परिसर में बुनियादी सुविधाओं की मांग करते हैं तो उनके खिलाफ अनुशासन के नाम पर कार्रवाई की जाती है। यह तानाशाही है, जो किसी हाल

में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कॉलेज के प्रिंसिपल और प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। आंदोलित छात्रों के हंगामे को शांत कराने के लिए पुलिस-प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। बाद में प्रिंसिपल डॉ. पीएन महतो ने छात्रों से वार्ता की। उन्होंने दोनों छात्रों का निलंबन रद्द करने और उन पर लगाया गया जुर्माना वापस लेने की घोषणा की। प्रिंसिपल का कहना था कि कॉलेज परिसर में बगैर हेलमेट लगाए बाइक चलाने और ट्रिपल लोडिंग के कारण दोनों छात्रों को निलंबित किया गया है। यह फैसला जूनियर डॉक्टरों के ही हक में लिया गया था, क्योंकि हेलमेट न पहनने से हादसे में जान जाने का खतरा बना रहता है। हाल में एक डॉक्टर की हेलमेट न पहनने से दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। छात्रों का निलंबन वापस होने के बाद जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन स्थगित कर दिया, लेकिन उन्होंने कॉलेज प्रबंधन पर बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के नाम एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि जब वे कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं की मांग उठाते हैं तो प्रबंधन उनका करियर खत्म करने की धमकी देता है।

रेड्डी के खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

गुंटूर,एजेंसी। आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ पुलिस ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। यह मामला मिर्च किसानों की समस्याओं को सुनने के लिए 19 फरवरी को यहां बाहरी इलाके में स्थित मिर्च यार्ड के उनके दौरे से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने वाईएसआरसीपी को इस मिर्च यार्ड के दौरे की अनुमति नहीं दी क्योंकि उस समय विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव होने के कारण चुनाव आचार संहिता लागू थी। आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए रेड्डी मिर्च यार्ड गए और मिर्च किसानों से बात की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुमति लिए बिना इस अवसर पर राजनीतिक भाषण भी दिए। पुलिस ने रेड्डी, पूर्व मंत्री अंबाती रामबाबू, विधायक लेल्ला अप्पीरेड्डी, पूर्व महापौर कवई मनोहर नायडू और पूर्व सांसद मोडुगुला वेणुगोपाल रेड्डी के खिलाफ चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर सभा करने, रैलियां निकालने और भाषण देने को लेकर मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने 41 ए नोटिस जारी कर उन्हें पूछताछ के लिए नल्लापडु थाना में उपस्थित होने को कहा है।

आपातकाल में अभिव्यक्ति का दबा दिया गया था गला

■ संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित

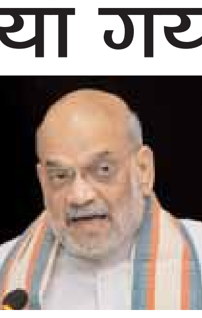

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल लागू करने के दिन का नाम 'संविधान हत्या दिवस' सुनने में भले ही कठोर लगे लेकिन यह नामकरण सोच समझकर किया गया है क्योंकि उस कालखंड में पूरे देश को ही जेल बनाकर स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति का गला दबा दिया गया था। शाह ने देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को यहां आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल देश की सुरक्षा के नाम पर लागू किया गया था लेकिन वास्तव में यह परिवारवाद और सत्ता की कुर्सी की सुरक्षा के लिए लगाया गया था। उन्होंने कहा कि लेकिन देश ने इसे सफल नहीं होने दिया और नरेन्द्र मोदी जैसे पार्टी के कार्यकर्ता को प्रधानमंत्री बनाकर परिवारवाद को बढाने वाली सोच को ही ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि इस दिन को मनाए जाने का उद्देश्य देशवासियों विशेष रूप से युवाओं और भविष्य की पीढ़ियों को तत्कालीन तानाशाह सरकार के अत्याचार और अन्याय से अवगत कराना है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आपातकाल पर पुस्तक 'द इमरजेंसी डायरीज' का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक मोदी के 25 वर्ष की उम्र में आपातकाल के दौरान भूमिगत रहकर कार्य करने के अनुभव और उस समय देश के माहौल पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जब 'संविधान हत्या दिवस' नाम तय किया जा रहा था तो लगा था कि यह बहुत कठोर है लेकिन यह सोच समझकर रखा गया क्योंकि उस समय देश को ही जेल बना दिया गया था और संविधान की हत्या कर दी गयी थी। उन्होंने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' नाम की इस पुस्तक में उस कालखंड के संघर्ष को प्रकट किया गया है। उस समय मोदी भूमिगत रहकर काम करते थे और आपातकाल के विरोध में तानाशाह विचारों का विरोध कर रहे थे। वह वेश बदलकर अलग अलग जगहों पर छोटे मोटे काम करते थे और आपातकाल के पीड़ितों की हरसंभव मदद करते थे। युवाओं से आग्रह है कि वे इस पुस्तक को जरूर पढें। उन्होंने कहा कि यह दिन इसलिए याद रखना और मनाना जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति तानाशाही सोच को देश पर दोबारा न थोप दे। उन्होंने कहा कि उस समय सत्ता प्रथम की सोच थी लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सर्वप्रथम की सोच पर देश आगे बढ रहा है और वर्ष 2047 में भारत को दुनिया में हर क्षेत्र में प्रथम लाने के लिए एकजुट होकर प्रयास किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

गाजर का हलवा, आम का.... जन्मे शुक्ला ने कहा, नमस्ते मेरे प्यारे देशवासियों। क्या शानदार यात्रा है। 40 साल बाद हम एक बार फिर अंतरिक्ष में पहुंचे हैं और यह एक अद्भुत सवारी थी। मेरे कंधों पर तिरंगा है, जो मुझे बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूं और आप सभी मेरे साथ हैं।

करंट लगने से 3 मजदूरों.... सुप्यार सिह ठाकुर (24) निवासी नयाखेड़ा, राजेश सिंह पिता कमल सिंह (18) निवासी ग्राम सलैया, रूपा सिंह बसौड (29) निवासी नयाखेड़ा है। घायलों में नीलेश ठाकुर पिता दौलत सिंह ठाकुर (24) निवासी नयाखेड़ा, सुरेन्द्र कहार पिता जमना प्रसाद कहार (22) निवासी पड़रिया कला, कमल कहार पिता शंकरलाल कहार (35) निवासी गौहरगंज, दुर्गेश कहार पिता लल्लू कहार (35) निवासी बाड़ी का जिनका इलाज किया जा रहा है। इस संबंध एसडीओपी अनिल सिंह मौर्य ने बताया छत ढलाई के बाद लिफ्ट मशीन को हटाने के दौरान घटना घटी है। जिसमें 3 की मौत और 4 मजदूर घायल हुए। फिलहाल पुलिस घटना जांच कर रही है।

बिजली गिरने से 16 बकरियों.... घटना की पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दी है। वहीं पीड़ित पशुपालक को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। दिगौड़ा तहसील के तहत ग्राम खरोई में आज बारिश के दौरान एक खेत में आकाशीय बिजली गिरने से 2 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। यह तो गनीमत रही कि जिस जगह बिजली गिरी उस स्थान पर कोई अन्य मौजूद नहीं था, नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। खरोई गांव के उवदेश घोष ने बताया कि आज बुधवार की दोपहर को बारिश के दौरान मेरे खेत पर आकाशीय बिजली गिरी। जिससे 2 बकरियों की झुलसने से मौत हो गई।

महू के पास निर्माणाधीन सुरंग.... मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सिंगरौली निवासी लालजी कौल (26) को गंभीर हालत में इंदौर के जीवन ज्योति अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

ग्रामीण डीएसपी उमाकांत चौधरी के मुताबिक इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल के पास सुबह लगभग 4 बजे टनल नंबर 3 का निर्माण कार्य चल रहा था। तभी टनल के एक्जिट गेट पर 18 मीटर ऊंचा और 16 मीटर चौड़ा हिस्सा नीचे गिर पड़ा। इसमें 2 मजदूर विकास राय और लालजी कौल की मौत हो गई।

घटना की खबर मिलते ही महू एसडीएम राकेश परमार समेत नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारी सुबह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि टनल के एक छोर पर देर रात से मजदूर काम कर रहे थे। घटना के बाद टनल का मलबा हटाने के लिए 2 पोकलेन मशीन को काम पर लगाया गया है। मलबे को डंपर में भरकर ले जाया जा रहा है। बताया गया कि इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल नदी के पास 2 सुरंगें बनाई जा रही हैं। पहली सुरंग 500 और दूसरी 300 मीटर लंबी होगी। इन सुरंगे बनने और राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण पूरा होने के बाद खंडवा से इंदौर जाने में लगभग ढाई घंटे समय की बचत होगी। अभी इंदौर से खंडवा जाने में साढ़े 4 से 5 घंटे तक लग जाते हैं।

रेल यात्रियों को मिल रहीं.... जल्द ही भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए रेल सुविधा आरंभ होने वाली है। डॉ. यादव ने कहा कि रेल मंत्रालय ने इंदौर-मनमाड़ और इंदौर-दाहोद रेललाइन के लिए 18.5 हजार करोड़ की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन शुरू होने से गुना- राजगढ़ सीधे मुंबई से जुड़ेंगे। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी ने कहा कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर 10 हजार स्क्वायर फिट क्षेत्र में लाउंज में यात्रियों के आराम और खान-पान के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, विधायक आतिफ अकील, महापौर श्रीमती मालती राय सहित रेलवे अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे

साल में 2 बार होगी सीबीएएसई.... वाले स्कूलों के कक्षा 10वीं के छात्रों को किसी भी चरण में बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प मिलेगा। शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।

सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी। बाद में इनपर हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था। यह निर्णय नई शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसके अनुसार बोर्ड परीक्षाओं के 'उच्च-दांव' पहलू को खत्म करने के लिए, सभी छात्रों को किसी भी स्कूल वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।

अपराध | गुजरात से महाराष्ट्र तक ईडी की बड़ी कार्रवाई

सौ करोड़ की डिजिटल ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार (25 मई) को गुजरात और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर छापामार कार्रवाई करते हुए साइबर अपराधियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तलाशी अभियान चलाया। आरोप है कि यह गिरोह डिजिटल गिरफ्तारी जैसे साइबर फ्रॉड्स करता था और लगभग 100 करोड़ से अधिक अवैध धन विदेशी खातों में भेज चुका था।

कहां-कहां छापे मारे गए- गुजरात के सूरत और अहमदाबाद, महाराष्ट्र की मुंबई में छापे मारे गए। यह अभियान श्वष्ठ के अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सविरेधन विरोधी धनशोधन अधिनियम की धाराओं के तहत चलाया गया।

यह मनी लॉन्ड्रिंग केस खुद 2024 की गुजरात पुलिस एफआईआर पर आधारित है, जिसमें आरोपी मकबूल डॉक्टर, काशिफ डॉक्टर, बस्सम डॉक्टर, महेश मफतलाल देसाई, मास अब्दुल रहीम नाडा हैं। इन लोगों पर आरोप है कि ये साइबर अपराधी फ़ेक

एसडीटी ट्रेडिंग, डिजिटल गिरफ्तारी, और नकली पुलिस नोटिस जैसे तरीकों से आम नागरिकों को ठगते थे। शिकार को वीडियो कॉल पर फंसाकर, पुलिस की कार्रवाई का डर दिखाकर भरसक पैसे वसूलते थे।

अपराधियों ने पीड़ितों से मिले धन को नकली केवायसी दस्तावेजों या नकली लोगों के खातों में जमा करवाया। फिर इन पैसों को क्रिप्टोकरेंसी में बदला और कई हवाला नेटवर्क का उपयोग करके 100 करोड़ से अधिक विदेशी लेन-देन किया।

हालांकि प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई मुख्य रूप से अहमदाबाद और सूरत में केंद्रित रही, लेकिन मुंबई में भी समानांतर कानूनी कार्रवाई की गई, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस गिरोह का नेटवर्क राज्यभर में फैला हुआ है। छापों के दौरान अधिकारियों ने डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए हैं, जिनकी अब फॉरेंसिक जांच की जा रही है।

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, और गिरफ्तारियों और संपत्ति जब्ती की संभावना जताई जा रही है। ईडी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिप्टो एक्सचेंजों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया है और आने वाले दिनों में केंद्रीय साइबर अपराध इकाइयों और वैश्विक वित्तीय खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय करने की योजना है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।